पटना ● बुधवार, 12 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः154 | www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

सोशल मीडिया पर योग के लिए ... 3 | www. bordernewsmirror.com | बिग बॉस ओटीटी 3 में... 8

कर्नाटक के बाद अब कोलकाता में हिजाब पर विवाद

● टीचर ने कॉलेज जाना ही छोड़ा, मामले ने पकड़ा जबरदस्त तूल

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध कानून की पढ़ाई कराने वाले एक निजी संस्थान की एक शिक्षिका ने वहां के अधिकारियों द्वारा कार्यस्थल पर हिजाब पहनने से परहेज करने के कथित अनुरोध के बाद कक्षाओं में जाना बंद कर दिया और इस्तीफा दे दिया। मामला सामने आने के बाद जब इसका विरोध शुरू हुआ तो संस्थान के अधिकारियों ने दावा किया कि यह संवादहीनता के कारण हुआ और वह अपना इस्तीफा वापस लेने के बाद मंगलवार को काम पर लौट जाएंगी। एलजेडी लॉ कॉलेज में पिछले तीन साल से शिक्षण कार्य कर रहीं संजीदा कादर ने पांच जून को इस्तीफा दे दिया था। उनका आरोप था कि कॉलेज प्रशासन ने उन्हें 31 मई के बाद कार्यस्थल पर हिजाब न पहनने का निर्देश दिया था।

हमारे नेताओं को अपने गांव में भी नहीं मिले वोट

● डीके शिवकुमार बोले- रिजल्ट कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में 99 सीट लाकर दूसरे नंबर पर रही कांग्रेस पार्टी के आंकड़ों पर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत दिग्गज नेता भले ही खुश हों लेकिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने चुनाव में

कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि परिणाम कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी है। हमारे नेताओं को अपने गांवों में भी वोट नहीं मिले। कर्नाटक में सत्ता पर होने के बावजूद कांग्रेस के खाते में 28 में से सिर्फ 9 सीटें आई। डीके ने आगे कहा कि सुधार और आत्ममंथन की आवश्यकता है।

अमृतपाल सिंह की रिहाई के लिए अमेरिका में हलचल

● कमला हैरिस तक पहुंची बात, भारत पर दबाव डालने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की रिहाई के लिए अब अमेरिका में आवाज उठने लगी हैं। खबर है कि मामला देश की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस तक भी पहुंच चुका है। इतना ही नहीं सिंह के समर्थन में मुहिम चला रहे

भारतवंशी वकील जसप्रीत सिंह अब अमेरिकी नेताओं से बात कर भारत पर दबाव डालने की तैयारी कर रहे हैं। अमृतपाल फिलहाल असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंह ने अमृतपाल को हिरासत में लिए जाने को अन्याय करार दिया है। साथ ही वह 100 से ज्यादा अमेरिकी नेताओं से संपर्क साधने की योजना बना रहे हैं, ताकि अमृतपाल की रिहाई के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाया जा सके।

मोहन चंद्र मांझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

केवी सिंहदेव और प्रभाती परिदा डिप्टी सीएम होंगे

नए मुख्यमंत्री के तौर पर आज करेंगे शपथ ग्रहण

भुवनेश्वर (एजेंसी)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में उनके नाम की घोषणा की। माझी के अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। मोहन चरण माझी 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 में बीजेडी वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इसके अलावा वे 2019, 2009 और साल 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। केवी सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम,

2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। भुवनेश्वर में पार्टी विधायक दल की बैठक में मोहन मांझी को नेता चुना गया। वह 12 जून को ओडिशा के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। बीजेपी ने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। बीजेपी में ओडिशा में पहली बार सरकार बना रही है। ऐसे में मोहन मांझी को राज्य में बीजेपी का पहले मख्यमंत्री बनने का गौरव हासिल हुआ है। विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने चौंकाते हुए अकेले 78 सीटें हासिल की हैं। 147 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सदस्यों का है। पिछले 24 सालों से राज्य की सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल को 51 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस को 14 सीटें मिली हैं। मोहन चरण मांझी शाम पांच बजे शपथ लेंगे।

पीएम मोदी समेत 50 हजार लोग शामिल हो सकते हैं

ओडिशा में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। वे 12 जून को दोपहर 2.30 बजे भुवनेश्वर पहुंचेंगे। इसके बाद वे जनता मैदान जाएंगे। हालांकि पार्टी ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले मोदी के लिए रोड शो का प्रस्ताव रखा है, लेकिन पुलिस से कन्फर्मेशन पेंडिंग है। समारोह में मोदी के अलावा, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न भाजपा शासन वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत कई मेहमान शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में विधायकों और सांसदों सहित लगभग 50,000 लोगों के शामिल होने का अनुमान है।

शपथ ग्रहण में पटनायक को दिया न्योता

ओडिशा में अपनी पहली सरकार के शपथ ग्रहण के लिए बीजेपी बीजद अध्यक्ष और निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को न्योता दिया है। समारोह का पहला निमंत्रण कार्ड भगवान जगन्नाथ को दिया गया था। भाजपा ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पटनायक के आवास नवीन निवास गया और उन्हें बुधवार शाम पांच बजे होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया। सामल के साथ सुरेश पुजारी, बसंत पांडा, समीर मोहंती और नित्यानंद गोंड जैसे वरिष्ठ नेता भी थे।

शपथ समारोह देखने पहुंचे थे और बन गए मोदी सरकार में मंत्री

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में किसी भी मुस्लिम नेता को एंट्री नहीं मिली है। पीएम मोदी समेत कुल 72 मंत्रियों में एक भी

● जॉर्ज कुरियन की लग गई लॉटरी, केरल को लेकर बीजेपी का बड़ा दांव

मुस्लिम नहीं है, लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय के 5 मंत्री जरूर हैं। इनमें से एक मंत्री जॉर्ज कुरियन की काफी चर्चा हो रही है, जो लोकसभा या राज्यसभा किसी भी सदन के मेंबर नहीं हैं। इसके बाद भी वह अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री हैं।

वह केरल के रहने वाले हैं और ईसाई समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। उन्हें मंत्री पद दिए जाने के पीछे भाजपा की केरल में ईसाइयों को लुभाने की रणनीति बताई जा रही है। केरल में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई तीनों ही समुदायों की अच्छी आबादी है। भाजपा को आमतौर पर हिंदुओं के एक वर्ग का समर्थन मिलता है। वहीं मुस्लिमों के बीच कांग्रेस की अच्छी पैठ है, जबकि ईसाई मत के लोग वामपंथी दलों के पाले में रहे हैं।

चुनाव नतीजों के बाद महाराष्ट्र में हड़कंप, होगा खेला!

● कांग्रेस का दावा-एकनाथ शिंदे और अजित पवार के 40 विधायक हमारे संपर्क में हैं

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल के कयास लग रहे हैं। कहा जा रहा है कि खराब नतीजों के बाद एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार वाली एनसीपी के तमाम विधायक टूट सकते हैं। इस बीच विधानसभा में कांग्रेस के नेता सदन विजय वडेट्टीवार ने दावा किया है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के 40 विधायक उनके संपर्क में हैं।

राहुल बोले- प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो मोदी हार जाते

पीएम काशी से जान बचाकर निकले, अयोध्या भी हार गए

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद राहुल और प्रियंका गांधी मंगलवार को पहली बार रायबरेली पहुंचे। राहुल ने कहा- मोदी और शाह देश की नींव के साथ खिलवाड़ कर रहे। इसलिए देश एकजुट हो गया। पहली बार देखा, देश का प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति करते हैं। जनता के बीच नफरत फैलाते हैं। तीन उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा- उत्तर प्रदेश की जनता ने नफरत और हिंसा के खिलाफ दबाकर वोट दिया। ये अयोध्या की भी सीट हार गए। अयोध्या में मंदिर बनवाया, मगर इनॉगरेशन में एक भी गरीब नहीं था। देश की राष्ट्रपति को कहा, तुम

यहां नहीं आ सकती। सिर्फ अयोध्या में ही नहीं, प्रधानमंत्री वाराणसी से भी जान बचाकर निकले। अगर बहन प्रियंका वहां चुनाव लड़तीं, तो पीएम मोदी 2-3 लाख वोट से हार जाते। इससे पहले प्रियंका गांधी ने कहा- जब मैं चुनाव लड़ने आई थी तो कहा था 300 घंटे हैं। आप लोग 2-2 घंटे सो लीजिए। बाकी समय में काम करना है। अवध से जीतकर हमने पूरे देश में एक मैसेज भेजा। राहुल ने कहा- मोदी जी ने कहा था, मैं नहीं भगवान मुझे ऑर्डर देते हैं। मैं काम करता हूं।

भले ही शॉर्ट टर्म के लिए हुई हो नियुक्ति, लाभ देना ही होगा

सेवानिवृत्ति का लाभ देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसले में कहा है कि अगर किसी कर्मचारी ने 30 से 40 साल तक सेवा दी हो तो उसे रिटायरमेंट बेनिफिट से वंचित नहीं कर सकते हैं, भले ही उसकी नियुक्ति अल्पकाल के लिए शॉर्ट टर्म के आधार पर हुई हो। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने 7 मई के अपने आदेश में कहा कि 30 से 40 साल तक काम करने के बाद किसी भी कर्मचारी को सेवानिवृति लाभ से वंचित करना गलत है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खंडपीठ ने अपने फैसले में लिखा कि अपीलकर्ताओं ने 30 से 40 साल तक काम किया है। इसलिए, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों से वंचित करना अनुचित होगा। खंडपीठ ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट तौर पर लिखा कि वर्तमान आदेश अपीलकर्ताओं की सर्विस की लंबी अवधि को देखते हुए और विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर पारित किया गया है। दरअसल, 1981 में उत्तर प्रदेश को अविभाजित गोरखपुर जिले में अल्पकाल के लिए 14 सहायक वासिल बाकी नवीस की नियुक्ति हुई थी। बाद में गोरखपुर से एक और जिला महाराजगंज बन गया। जिला बंटवारा होने के बाद 14 में से 5 अधिकारी महाराजगंज चले गए और 9 गोरखपुर में ही रहे। 26 जून 1991 को महाराजगंज के जिलाधिकारी ने उन पांचों अधिकारियों की सेवा स्थायी कर दी लेकिन इसकी शिकायत होने के बाद अक्टूबर 1992 में आदेश पलटते हुए स्थायीकरण रद्द कर दिया गया। बाद में इन पांचों कर्मियों ने अपने स्थायीकरण को रद्द करने के आदेश को इलाहाबाद हाई

कोर्ट में चुनौती दी, जहां हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने टर्मिनेशन आदेश पर रोक लगाते हुए कर्मियों को बड़ी राहत दी और उन्हें काम करते रहने का आदेश दिया। हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश पर कर्मी काम करते रहे। बाद में एकल पीठ ने अक्टूबर 1992 के आदेश को रद्द कर दिया। इसके अलावा, सिंगल बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि अपीलकर्ताओं को 26 जून, 1991 से सभी लाभों के साथ उनकी सेवा नियमित मानी जाएगी। बाद में हाई कोर्ट की डबल बेंच ने इस आदेश को खारिज कर दिया और निर्देश दिया कि इन कर्मियों की सेवा अवधि को सेवानिवृत्ति और पेंशन संबंधी लाभों के लिए नहीं गिना जाएगा। इसके खिलाफ ये कर्मी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए, जहां जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने हाई कोर्ट के सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा और इन कर्मियों को सेवानिवृति के बाद मिलने वाले सभी लाभों का हकदार माना। इस बीच, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट फैसला सुनाती उन पांच में से तीन कर्मी 2018, 2019 और 2022 में रिटायर हो गए।

जैसे को तैसा...

तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलेगा भारत

अरुणाचल वाला बदला लेने को लेकर बड़ी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में तीसरी बार एनडीए सरकार बन चुकी है। इसी बीच खबर है कि सरकार अरुणाचल प्रदेश में चीन की गतिविधियों का जवाब उसी की भाषा में देने जा रही है। भारत ने तिब्बत में कई स्थानों का नाम बदलने का फैसला किया है। मंगलवार को ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पदभार संभाला है। उन्होंने भी चीन के साथ जारी सीमा विवाद को सुलझाने पर ध्यान लगाने की बात कही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार ने तिब्बत में 30 स्थानों के नाम बदलने पर मुहर लगा दी है। ये नाम ऐतिहासिक शोध और तिब्बत क्षेत्र के आधार पर ही रखे जाएंगे। खबर है कि भारतीय सेना इन नामों को जारी करेगी और वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी के मैप पर इन नामों को अपडेट कर दिया जाएगा। खास बात है कि सरकार की तरफ से कदम ऐसे समय पर उठाया जा रहा है, जब चीन ने अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश के 30 नामों को बदला था। इस फैसले पर भारत की तरफ से भी कड़ा विरोध दर्ज कराया गया था।

चुनाव के बाद आंध्र में भड़की हिंसा, भिड़े कार्यकर्ता

● टीडीपी ने जगन मोहन की पार्टी पर लगाए हत्या के आरोप

हैदराबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव और आंध्र प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। राज्य में कई जगहों पर टीडीपी और वाईएसआर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरें सामने आई हैं। बता दें कि विधानसभा चुनाव में टीडीपी के अगुआई वाले गठबंधन ने 175 में से 164 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें बीजेपी और पवन कल्याण की जनसेना पार्टी शामिल है। लोकसभा चुनाव में भी एनडीए ने 25 में से 21 सीटों पर जीत दर्ज की है।

अरिहंत, क्वाड...

भारत के सीक्रेट हथियार से खौफ में पाक और चीन

पाकिस्तानी नेता परेशान, प्रोफेसर ने बताया 'वर्षा' का डर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका और चीन इन दिनों एशिया में बादशाहत के लिए आमने-सामने हैं। अमेरिका जहां एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपने दबदबे को बनाए रखना चाहता है, वहीं चीन ने भी दुनिया की सबसे बड़ी सेना बनाकर अमेरिका को चुनौती देने की ठान ली है। चीन को घेरने के लिए अमेरिका ने क्वॉड बनाया है और इसमें भारत को भी शामिल किया है। भारत और

अमेरिका की इस रणनीतिक जोड़ी से पाकिस्तान खौफ में है। पाकिस्तान चीन के साथ रक्षा संबंध मजबूत करने में जुट गया है। पाकिस्तान को न केवल क्वाड का डर है बल्कि उसे भारत के सीक्रेट शिकारी का भी खौफ सता रहा है। भारत के इस समंदर के शिकारी का नाम है परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी अरिहंत। पाकिस्तान के कायद ए आजम यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर जफर नवाज जसपाल ने अपने एक ताजा लेख में कहा कि पाकिस्तान एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रणनीति माहौल में बढ़ते तापमान को अनदेखा नहीं कर सकता है। जसपाल ने कहा कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका द्वारा भारत के साथ गठबंधन बनाने का सीधा असर पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को क्वॉड को लेकर कड़ी आपत्ति है और इसकी वजह इस गठबंधन के अंदर भारत की सक्रिय भूमिका है।

बच्चों के मीड डे मील में मिला कीड़ा:किशनगंज में मामले ने पकड़ा तुल

जिला मध्याह्न भोजन पदाधिकारी बोले-जांच कर होगी कार्रवाई

किशनगंज , एजेंसी। किशनगंज के बहादुरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मुख्य बाजार झांसी रानी चौक के समीप स्थित आदर्श मध्य विद्यालय बहादुरगंज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मिलने वाली मीड डे मील के भोजन में कीड़ा मिलते ही विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। बहादुरगंज नगर क्षेत्र के अधिकांश सरकारी विद्यालयों में सरकार की ओर से दी जाने वाली मीड डे मील भोजन जन जागृति एजेंसी सप्लाई कराती है। जन जागृति एजेंसी में कार्यरत कर्मियों की लापरवाही से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ एक बड़ी घटना घटित होने से बच गयी।

स्थानीय अभिभावकों ने जन जागृति एजेंसी के खिलाफ आक्रोश जताते हुए डीएम किशनगंज तुषार सिंगला से उचित जांच कर कार्रवाई की मांग की है। विद्यालय के अध्यक्ष सह स्थानीय वार्ड पार्षद संजय भारती ने कहा कि स्थानीय अभिभावकों ने पहले भी कई बार एजेंसी द्वारा दिए जाने वाले मीड डे मील की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगाया गया था, जिसकी सूचना विद्यालय के प्रधानाध्यापक के माध्यम से संबंधित विभाग एवं एजेंसी को भी दी गयी थी लेकिन फिर भी सुधार न होना और इस प्रकार के जहरीले भोजन छात्र छात्राओं के लिए भेजा जाना एक बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। जिला मध्याह्न भोजन पदाधिकारी नूपुर कुमारी ने सोमवार की शाम बताया कि घटना कि जानकारी उन्हें दूरभाष से प्राप्त हुई है, मामले की जांच कर उक्त एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जायगी।

डॉक्टर की लग्जरी कार से शराब तस्करी, तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर मध निषेध की पुलिस ने दो लग्जरी कार में यूपी के शराब के साथ तीन शातिर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। लग्जरी कार पर डॉक्टर का स्टिकर लगा कर शराब की तस्करी कर रहा था।द टीम को गुप्त सूचना मिली कि कुछ शराब तस्कर जिले के पारू थाना क्षेत्र में लालू छपरा गांव में विदेशी शराब को कार में लादकर पताही ले जा रहे है। टीम लालू छपरा गांव में छापेमारी करने पहुंची। जहां पुलिस टीम ने दो लग्जरी कार से 45 कार्टन शराब बरामद की। मौके से तीन शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। एक कार का नंबर प्लेट बंगाल और एक कार पर डॉक्टर लिखा हुआ है।

मोहमदपुरखाजा गांव के रहने वाले हैं बदमाश : दो तस्कर की पहचान करजा थाना क्षेत्र मोहमदपुरखाजा गांव निवासी के रूप में हुई है। मध निषेध की इंस्पेक्टर शिबेंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने पारू थाना क्षेत्र लालू छपरा में कार्रवाई की। दो लग्जरी कार से शराब की खेप लेकर पहुंचे तीन लोग पकड़े गए। इस दौरान लाखों रुपए की शराब की खेप बरामद हुई है। जब्त लग्जरी कार में डॉक्टर का स्टिकर लगा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

धनरुआ के सकरपुरा मध्य विद्यालय की दो छात्राएं हुई बेहोश

धनरुआ, एजेंसी। धनरुआ प्रखंड के सकरपुरा स्थित मध्य विद्यालय की आठवीं और छठी कक्षा की दो छात्राएं सोमवार की दोपहर अचानक बेहोश हो गयीं। उसके सहपाठियों के शोर मचाने के बाद मौजूद शिक्षक अन्य छात्राओं की मदद से दोनों को बाहर हवादार जगह पर लाकर पानी का छींटा दिया गया। उसके कुछ देर बाद दोनों को होश आया। इसके बाद शिक्षक ने दोनों को ओआरएस का घोल पिलाया। इसबीच इसकी सूचना दोनों छात्रा बेबी कुमारी व पूजा कुमारी के परिजन समेत गांव के अन्य लोगों को हुई और वे सभी भागे भागे विद्यालय पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। लोगों का आरोप था कि कक्षा में पंखा है, लेकिन बिजली नहीं रहने से नहीं चलता है। प्रधानाध्यापक रवीन्द्र कुमार ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया और दोनों छात्रा को सकुशल घर पहुंचवाया।

वृद्ध महिला का शव मिला, लू से मरने की आशंका

मसौढ़ी, एजेंसी। पटना गया रेलखंड के तारेगना स्टेशन परिसर स्थित बंद शौचालय परिसर से 70 वर्षीया एक अज्ञात वृद्धा का शव सोमवार को रेल पुलिस ने बरामद किया। तारेगना रेल थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतका देखने से भिखारी प्रतीत होती हैं। शव का पहचान नहीं हो सकी है। यूडी केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। लू की चपेट में आने से वृद्धा की मौत बताई जा रही है।

पैसे नहीं दिए तो पिता की कर दी पिटाई, पेंशन के रुपए को लेकर विवाद

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के बेला गांव में सोमवार को पेंशन के पैसे के विवाद को लेकर बेटे ने अपने पिता और उनके दो पोते की पिटाई कर दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में धोबहा थाना क्षेत्र के बेला गांव निवासी सह रिटायर्ड फौजी केदारनाथ मिश्र और उनके दो पोते अमर मिश्रा व गोलू कुमार शामिल है। रिटायर्ड फौजी केदारनाथ मिश्र ने बताया कि मैं आर्मी से रिटायर्ड हूं। 47 हजार रुपए पेंशन मिलता है। दो दिन पूर्व तीसरे नंबर वाला बेटा अनिल मिश्रा कोलकाता से वापस गांव लौटा है। वो पैसा मांग रहा था। मैंने कहा कि अभी मेरे पास सिर्फ 15 हजार रुपए है ले लो। लेकिन वह नहीं माना और ज्यादा पैसे की मांग करने लगा। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। इसके बाद उसने मेरी पिटाई शुरू कर दी। मुझे पिटता देख मेरे दोनों पोते अमर मिश्रा और गोलू कुमार आए तो अनिल मिश्रा ने उनकी भी पिटाई कर दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। मामला शांत होने के बाद पीड़ितों ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की है।

दो थाना अध्यक्ष सहित 9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज जिले में एसपी सागर कुमार के निर्देश पर दो थाना अध्यक्ष सहित 9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया। जिले में बेहतर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एसपी सागर कुमार ने बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक इजहार आलम को टेढ़ागाछ थाना का प्रभार दिया है। वहीं पुलिस केन्द्र में स्थापित संजय पांडेय को बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक बनाया गया है। कोचाधामन के अपर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय को साइबर थाना का प्रभार दिया गया है। कोचाधामन थाना में पदस्थापित महेश पूर्वे को अपर कोचाधामन थाना अध्यक्ष व अनुसंधान इकाई का प्रभार दिया गया है। टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष प्रभारी धनजी कुमार गर्वनडंगा को थानाध्यक्ष बनाया गया है। साइबर थाना के राजु उर्फ जितेन्द्र को छत्तरगाछ कैंप प्रभारी बनाया गया है। वहीं कोचाधामन थाना के राजु कुमार को धनपुरा प्रभारी पिकेट बनाया गया है । पुलिस केन्द्र में पदस्थापित अमित कुमार को साइबर थाना अनुसंधान इकाई का प्रभार दिया गया है। किशनगंज हिन्दी शाखा पुलिस कार्यालय में पदस्थापित दुधनाथ सिंह को पुलिस केन्द्र में स्थान दिया गया है।

कार चलाते वक्त आई झपकी, कंटेनर से जोरदार टक्कर, हादसे में इकलौते बेटे और भाई की मौत

हाजीपुर, एजेंसी। हाजीपुर जिले के गवानपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा पेट्रोल पंप के पास सोमवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर सड़क किनारे खड़े कंटेनर से एक कार टकरा गई। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घालय हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार का दरवाजा तोड़कर घायलों को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। सदर अस्पताल में बच्चे अथर्व की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद दिनभर भर्ती रखने के बाद छुट्टी दे दी गई।

हादसे में कार चला रहे अश्वनी के फूफेरे भाई और उनके इकलौते बेटे की मौत हो गई। रोते-बिलखते अश्वनी कुमार ने बताया कि कैसे झपकी आई उन्हें इसका एहसास भी नहीं हुआ और हादसा हो गया। हादसे के बाद सूचना मिलते ही परिजन नालंदा और नवादा से हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचने लगे। जैसे-जैसे परिचितों को हादसे के बारे में पता चलते गया, वैसे-वैसे लोग सदर अस्पताल पहुंचने लगे।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अश्वनी कुमार अपनी पत्नी रंजीता पाल, पुत्र अथर्व कुमार और पुत्री आश्वी आर्या के साथ काठमांडू घूमने के लिए गए थे। काठमांडू से घूमकर आने के बाद रविवार की रात को रक्सौल में फूफेरे भाई के यहां ठहर गए। इसके बाद अश्वनी कुमार रक्सौल से अपने फुफेरे भाई नागेन्द्र पाल और भाभी शांति देवी के साथ पटना के लिए निकले। सोमवार की अहले सुबह करीब 4 बजे सभी लोग कार में बैठकर पटना की ओर निकले थे।

परिजनों ने बताया कि कार चलाते समय अश्वनी को झपकी आ गई, जिससे यह हादसा हो गया। हादसे में अश्वनी के घर के चिराग अथर्व की मौत हो गई। अथर्व की मां बार-बार यही कह रही थी कि मेरा बेटा कहां है, ठीक तो है ना..। यह कहते हुए सदर अस्पताल में वह बेहोश होकर गिर जाती। होश में आने पर बार-बार यही कहती कि एक बार मेरे बेटे का मुंह दिखा दो....। किसी तरह लोगों ने उसे संभाला और दिलासा देने की कोशिश करते रहे कि उनका पुत्र सही सलामत है। काठमांडू घूमने के दौरान अथर्व ने अपने लिए दूरबीन के साथ कई खिलौने खरीदे। ताकि घर जाकर अपनी बहन के साथ दूरबीन और अन्य खिलौना से खेलेगा, लेकिन, होनी को कुछ और ही मंजूर था, हादसे के वक्त अर्थव अपने हाथों में दूरबीन से सड़क किनारे का नजारा देख रहा था। उसे पता नहीं था कि उसका आज अंतिम दिन है। कंटेनर से टकराने के बाद जिस सीट पर अर्थव बैठा था दूरबीन उसी जगह पर गिरी पड़ी मिली। मृत किशोर अथर्व के माता रंजीता पाल विद्युत विभाग एवं पिता अश्विन कुमार जल संसाधन विभाग में कार्यरत है।

आंख खुली तो हम सदर अस्पताल में थे अश्वनी कुमार ने बताया कि मुझे झपकी कब आई, मुझे पता नहीं चला। जब आंख खुली तो हम सदर अस्पताल के वार्ड में भर्ती थे। इतना जल्दी सब कुछ हो गया, कुछ समझ में नहीं आया। हादसे में मेरा सब कुछ चला गया और कहते हुए रोने लगे।

हादसे के बाद पोस्टमार्टम कराने को लेकर दोनों के शव को सदर अस्पताल लाया गया। जहां नागेन्द्र पाल के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं अर्थव के मृत शरीर का पोस्टमार्टम कराने को लेकर मनाकर दिया गया। नागेन्द्र पाल का दाह संस्कार नालंदा में पैतृक गांव में किया जाएगा, वहीं अर्थव के पार्थिव शरीर को पैतृक घर नवादा ले जाया गया।

बिहार में गर्मी से हाहाकार, पटना समेत 14 जिलों में रेड अलर्ट

बक्सर में पारा 46 के पार

पटना, एजेंसी। दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। गर्मी से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि उत्तर बिहार में गर्मी से आंशिक तौर पर लोगों को रहता है। मौसम विभाग ने मंगलवार को पटना सहित दक्षिण बिहार के 14 जिलों में भीषण गर्मी का रेड और 5 जिलों में लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उत्तर बिहार के 5 जिलों में गर्म दिन रहने के आसार हैं। इसके साथ ही उत्तर-पूर्व भाग के जिलों में कुछ स्थानों पर गरज व तड़क के साथ हल्की बारिश हो सकती है। सोमवार को पटना सहित 20 शहर भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहे। प्रदेश का सबसे गर्म जिला 45.9 डिग्री सेल्सियस के साथ बक्सर और भोजपुर रहा। मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि 14 जून तक दक्षिण बिहार के अधिकतर जिलों में लू चलने की आशंका है। खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई में लू चलने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान और छपरा में गर्म दिन रहने के आसार हैं। सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार के एक-दो स्थानों पर गरज व चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने पटना, बक्सर, भोजपुर, बेगूसराय, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, लखीसराय, शेखपुरा, भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, गया और नवादा में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है।

पटना में गोला रोड़ उप डाकघर का हुआ उद्घाटन:एक लाख से अधिक लोगों को मिलेगा फायदा

पटना, एजेंसी। पटना के गोला रोड़ रोड स्थित बैंक कॉलोनी के पास उप डाकघर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समरोह में चीफ पोस्टमास्टर जनरल बिहार सर्किल अनिल कुमार और निदेशक डाक सेवा मुख्यालय पवन कुमार समेत अन्य कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

1 लाख की आबादी को मिलेगा सुविधा

वहीं चीफ पोस्टमास्टर जनरल बिहार सर्किल अनिल कुमार ने बताया कि डाक केंद्र एक कोर बैंकिंग सर्विस उप डाकघर है, इस उप डाकघर में डाक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य आधुनिक वितीय सेवाओं का समावेश किया गया है, जिसमें बचत बैंक के सभी स्कीमों के साथ साथ स्पीड पोस्ट पार्सल और पंजीकृत पत्रों के बुकिंग भेजने से सम्बन्धित कार्य किए जाएंगे। गोला रोड़ और आसपास के आम लोगों को डाकघर की आधुनिक वितीय डाक सेवाओं खगौल या दानापुर कैंट उप डाकघर जाने कि जरूरत नहीं पड़ेगा। यह एक डबल हैण्ड उप डाकघर है,जिससे लगभग 1 लाख की आबादी को बेहतर डाक सुविधा प्रदान करने हेतु डाक विभाग सुविधा दे सकेगा।

स्थानीय लोगों ने जताया आभार

गोला रोड़ उप डाकघर के नए भवन में शुभारंभ को लेकर स्थानीय निवासियों में हर्षोल्लास का माहौल था। स्थानीय ग्राहकों विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, आम जनता, आसपास के व्यापारिक दुकानों, शैक्षणिक इंस्टीट्यूट के छात्र गणऔर कर्मचारियों ने डाक विभाग के प्रति आभार भी प्रकट किया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, रास्ते में स्कॉर्पियो ने रौंद डाला, घर से मार्केटिंग के लिए निकला था युवक

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर शहर के नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा पुल के समीप सोमवार की देर शाम अज्ञात स्कॉर्पियो ने बाइक सवार एक युवक को रौंद दिया। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। इसके बाद मौके पर पहुंची नवादा और ट्रैफिक थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया।

पुलिस ने परिजनों की दी सूचना : मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत अख्तियारपुर बड़का गांव निवासी स्व. सत्य नारायण चौधरी का 21 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार उर्फ टाइगर है। मृतक के चाचा कुंदन कुमार ने बताया कि वह बाइक से मार्केटिंग करने के लिए बाजार जा रहा था। इसी दौरान चंदवा पुल के समीप विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात स्कॉर्पियो ने रौंद दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पाकर मृतक के परिजन आरा अस्पताल पहुंचे। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां इंदु कुंवर और दो भाई डिंपल चौधरी, दीपू चौधरी और एक बहन रेशमी देवी है।

नालंदा में साली के प्यार में पति ने कर दी पत्नी की हत्या

नालंदा , एजेंसी। बिहार के नालंदा में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जब साली के प्यार में पागल पति ने पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। लव अफेयर में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या के बाद उसके टुकड़े-टुकड़े करके जमीन में दफना दिए। दो महीने पहले ही मृतका की शादी हुई थी।दीपनगर थाना क्षेत्र के गोइठवा नदी के पास से सोमवार की सुबह पुलिस ने जमीन खोदकर महिला का नरकंकाल निकाला।

आरोपी ने महिला के शव के दर्जनों टुकड़े कर दिये गये थे। उसके बाद पेट्रोल व नमक डालकर उसे जमीन में दफना दिया। शरीर पर मांस का एक टुकड़ा भी नहीं बचा है। परिजन गड्ढे में मिली बेडशीट व दुपट्टे से उसकी पहचान करने का दावा कर रहे हैं। चकदिलावर गांव निवासी दीनानाथ केवट की पत्नी अनरिका देवी के रूप में पहचान करने का दावा किया जा रहा है। उसकी शादी दो महीने पहले हुई थी।

मायके वालों का आरोप है कि वह सात दिनों से गायब थी। परिजन प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाना भी गये थे। हालांकि, खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी थी। घटना के बाद गुस्साये मायके के लोगों ने ससुराल वालों को जमकर पीट दिया। उनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया है।अनरिका के भाई सरमेरा थाना क्षेत्र के गौसनगर गांव निवासी संजय केवट ने बताया कि तीन जून की सुबह बहनोई ने फोन कर पूछा कि वह मायके गयी है। उसके नहीं कहने पर कहा कि वह भाग गयी है। इसके बाद चकदिलावर गांव पहुंचे। यहां बहन नहीं थी।

संजय ने बताया कि खोजबीन में उसका कुछ पता नहीं चला। बाद में पता चला कि बहनोई घर से चार किलोमीटर दूर गोइठवा नदी के पास दारू चुलाने का काम करता है। वहां गड्ढे में मिट्टी से ढंका सिर दिखायी पड़ा। पुलिस ने शव को बाहर निकाला। शव मिलने के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गयी। पुलिस ने बीच-बचाव किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अपर थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शरीर पर मांस का टुकड़ा नहीं था। फॉरेंसिक जांच के लिए शव को पटना भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद पहचान पुख्ता होगी। ससुराल के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। नौ जून को युवक ने पत्नी के गायब होने की शिकायत की थी। पति व भाई को हिरासत में लिया गया है।

सोशल मीडिया पर योग के लिए चलाया गया कैंपेन

- नियमित योग करने की आदत में ही निरोग रहने की चाहत है निहितः प्राचार्य
- 21 जून 2015 में प्रारंभ हुई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मंगलवार को 100 डेज काउंट डाउन टू इंटरनेशनल योगा डे पर सोशल मीडिया कैंपेन चलाया गया। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने खुद योगासन में योगदान कर स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नियमित योग करने की आदत में ही निरोग रहने की चाहत निहित है। योग कोई धर्म नहीं बल्कि एक विज्ञान है जिसमें शरीर, मन व आत्मा को जोड़ने का विधान है। आगामी योग दिवस की सफलता पर सोशल मीडिया कैंपेन का नेतृत्व करते हुए एनएसएस पीओ प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि इस वर्ष 2024 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की दसवीं वर्षगांठ है जिसका थीम योगा फॉर वीमेन इंपावरमेंट है। उन्होंने कहा कि योग महिलाओं के सशक्तीकरण, उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक व आध्यात्मिक कल्याण का एक व्यापक साधन है। महिलाएं समाज में शिक्षक, अधिवक्ता व विभिन्न प्रोफेशनल्स की भूमिका निभाती हैं और समाज में व्यापक परिवर्तन कर सामाजिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने का काम करती हैं। महाविद्यालय की छात्राओं ने अपने-अपने घर पर ही विभिन्न प्रकार के योग कर आस-पास की महिलाओं को सदा स्वस्थ रहने के लिए अभिप्रेरित किया है। ध्यातव्य हो कि 2015 में प्रारंभ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को आगामी 21 जून को अधिकतम जनभागीदारी पूर्ण बनाना है। सोशल मीडिया कैंपेन कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ-साथ महाविद्यालय के शिक्षकों ने भी अपने घरों, मुहल्लों और गांवों से विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया और तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए आगामी योग दिवस के प्रति लोगों में जागरूकता फैलायी। मानव समुदाय ताड़ासन, वक्रासन, त्रिकोनासन, वज्रासन, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम, सूर्य नमस्कार इत्यादि जैसे योगासन को अपने दैनिक जीवन में समाहित कर शारीरिक-मानसिक सेहत को अक्षुण्ण रख सकते हैं। इस सोशल मीडिया कैंपेन के प्रतिभागियों में गोल्डी, पलक, कृतिका, गुड़िया, रूचिका, प्रतिमा, संध्या, सानिया, सुरुचि, रिया सिंह, अंजलि, तेजस्विनी, हिमांशु, कमलेश, साहिल, अभिषेक, सचिन, अभिषेक सिंह, मनोज, सन्नी, चंचल इत्यादि ने योगासन कर तस्वीरों को फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम व व्हाट्सएप पर साझा किया।

सरकारी राशि गबन मामले में टिकैता के डाक अधिकारी निलंबित

गबन मामले में डाक निरीक्षक ने चार दिन पूर्व दर्ज कराया था एफआईआर

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के तुरकौलिया अंचल के टिकैता स्थित डाकघर के अधिकारी मनीष कुमार को डाक विभाग के राशि गबन मामले में निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि डाक निरीक्षक अरविंद कुमार रमण द्वारा उक्त डाक घर का निरीक्षण किया गया था, जिसमे डाक घर से डाक विभाग के 195434 रूपया गबन पाया गया, जिसके बाद उन्होंने डाक अधिदर्शक प्रमोद कुमार यादव को मनीष से प्रभार लेने के लिए भेजा गया। साथ ही उनसे सरकारी मोबाइल व विभागीय अन्य सामान की मांग की गई थी, लेकिन उन्होंने देने से इंकार कर दिया। रमन ने बताया कि डाक बाबू मनीष के खिलाफ 8 जून को एफआईआर दर्ज किया गया था। अभी उक्त डाक घर का काम अधिदर्शक प्रमोद कर रहे है। इधर तुरकौलिया उप डाक घर के डाक बाबू अवलेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि निलंबित डाक बाबू मनीष ने सरकारी रुपया 1 लाख 95 हजार 434 रुपया डाक घर में सोमवार जमा करा दिए है। डाक निरीक्षक ने बताया की प्रभार नही देने की सूचना डाक अधीक्षक को दे दी गई है।

"एचआईएमएस पोर्टल" पर अपलोड करें संस्थागत प्रसव का डाटा

नियमित टीकाकरण एवं परिवार नियोजन की रिपोर्ट 2 तारीख तक दें, निजी नर्सिंग होम व क्लीनिक : अनुश्रवण पदाधिकारी विनय कुमार

जिले के 10 प्राइवेट रजिस्टर्ड अस्पतालों का हुआ निबंधन

बीएनएम। बेतिया

"एचआईएमएस" पोर्टल पर डाटा अपलोड करने के लिए सभी प्राइवेट नर्सिंग होम की बैठक डब्लूएचओ के कार्यालय में आयोजित की गई। जिले के संस्थागत प्रसव परिवार नियोजन और नियमित टीकाकरण का डाटा प्रतिवेदन स्वास्थ्य विभाग को अवगत कराने के लिए लेकर प्राइवेट इंटरफ़ेस मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिविल सर्जन डॉक्टर श्रीकांत दुबे ने बताया कि प्राइवेट अस्पताल एवं नर्सिंग होम से कहा गया कि सरकार जनता के स्वास्थ्य के प्रति दृढ़ संकल्प है, इसीलिए प्राइवेट संस्थानों से आग्रह किया गया कि वह संस्थागत प्रसव ,परिवार नियोजन एवं नियमित टीकाकरण का प्रतिवेदन हर माह के 2 तारीख तक प्रस्तुत करें अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी विनय कुमार ने"एचआईएमएस पोर्टल" के फॉर्मेट की विस्तृत जानकारी दिया गया।जिला टीकाकरण पदाधिकारी ने कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटल में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं का नियमित टीकाकरण नहीं हो पा रहा है, उन्होंने बताया कि प्राइवेट अस्पताल एवं नर्सिंग होम के द्वारा स्वास्थ्य विभाग से विभिन्न इंडिकेटर में डाटा अपलोड करने के लिए "एचआईएमएस पोर्टल" लॉन्च किया गया है, उक्त मीटिंग में 10 प्राइवेट हॉस्पिटल (जिनका आईडी पहले से बना है)

भारत सरकार के पोर्टल पर रिपोर्ट अपलोड करने पर जिले की उपलब्धि होगी बेहतर- जिला अनुश्रवण पदाधिकारी विनय कुमार सिँह बताया की स्वास्थ्य विभाग से निबंधित सभी नर्सिंग होम व क्लिनिक को आईडी पासवर्ड बना कर उपलब्ध करा दिया जायेगा ताकि प्रत्येक माह होने वाले प्रसव की संख्या एंव परिवार नियोजन की दिए जाने वाले सेवाओं को एचआईएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जा सके। पीएसआई डीसी ने बताया की रिपोर्टिंग करने मे सावधानी बरतनी होंगी। सही संख्या व गुणवत्तापूर्ण ढंग से करनी है। प्रत्येक माह की 05 तारीख तक रिपोर्ट अपलोड कर देना है। ताकि उपलब्ध रिपोर्ट के आधार पर मातृ व शिशु मृत्यु दर को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक कदम उठाया जा सके।अनुश्रवण पदाधिकारी विनय कुमार ने विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया साथ हीं भारत सरकार के द्वारा बनाये गये पोर्टल एचएमआईएस पर डाटा को कैसे एंट्री करना है एक एक बिन्दु को सरलता पूर्वक समझाया गया एंव प्रत्येक इंडिकटर के महत्व को बताया।बैठक में मौके पर पीएसइंडिया ,डब्लूएचओ , पिरामल स्वास्थ्य चाय संस्था के प्रतिनिधि व अन्य लोग उपस्थित थे।

एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल गठन पर कार्यकर्ताओं ने जताया हर्ष,समारोह आयोजित

बीएनएम। सहरसा

केंद्र में लगातार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने एवं मंत्रिमंडल गठन के उपलक्ष्य में एनडीए कार्यकर्ताओ एवं सनातन प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त कर मंगलवार को जश्न मनाया।इस अवसर पर बटराहा वार्ड नंबर 35 में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित तमाम लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगा कर तथा मिठाई खिला कर शुभकामनाएं दिया।वही भारत माता की जय , नरेंद्र मोदी जिंदाबाद , एनडीए सरकार जिंदाबाद के गगनभेदी नारा लगाया । सुचेन बरनोल वाले के संचालन में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व करते भाजपा कार्यकर्ता बिजय बसंत ने कहा की लगातार तीसरी बार केंद्र में एनडीए की सरकार नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बनना देश के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवान्वित पल रहा है।देश को परम वैभव तक पहुंचाने का जो संकल्प नरेंद्र मोदी जी एवं उनके सरकार ने लिया है । उस पर निरंतर कार्य प्रारंभ है और देश परम वैभव तक निश्चित ही पहुंचेगा ऐसा हम सभी को विश्वास है । उन्होंने कहा कि विकासशील भारत का जो सपना नरेंद्र मोदी जी ने देखा है वह साकार हो कर रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संघ के व्यवस्था प्रमुख आशीष टिंकू ,भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता रहे बालेश्वर भगत , भाजपा नगर के शक्ति गुप्ता , विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री अभिषेक सिंह , बजरंग दल जिला संयोजक पुनीत आनंद सहित अन्य उपस्थित रहे ।

राज्यस्तरीय बालिका सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए पूर्वी चंपारण की टीम घोषित

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिला हैंडबॉल एसोसिएशन ने राज्यस्तरीय बालिका सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पूर्वी चंपारण की 12 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई। छपरा बहास स्थित जीके मेमोरियल स्कूल में आयोजित एकदिवसीय ट्रायल में शामिल 20 खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर ईस्ट चंपारण हैंडबॉल एसोसिएशन ने टीम की घोषणा की।टीम का चयन मो राजुल,अरूण कुमार व अदिति कुमारी ने की।टीम की घोषणा के बाद जीके मेमोरियल स्कूल के निदेशक अमरेंद्र पांडेय ने चयनित खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामानाएं दी। चयन नहीं हो पाने से निराश खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए पांडेय ने कहा कि खुद को और बेहतर बनाने के लिए काम करना शुरू करें। एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार,उपाध्यक्ष श्रीबाबू प्रसाद यादव,धर्मेंद्र कुमार मिश्रा,कोषाध्यक्ष मंकेश्वर पांडेय,संयुक्त सचिव परमेश्वर कुमार,उज्ज्वल पांडेय,अमित कुमार,चंदा कुमारी,डॉ पप्पू कुमार सहित अन्य ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामना दी। चयनित खिलाड़ियों की टीम 15 जून को पटना में आयोजित राज्यस्तरीय बालिका सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेगी।वहीं टीम के चयनित खिलाड़ियों का मंगलवार से जीके मेमोरियल में आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया, जिनको प्रशिक्षक विमल कुमार और मो राजुल प्रशिक्षण देंगे। चयनित टीम में आकांक्षा कुमारी (कप्तान), रूपांजलि कुमारी,अनन्या कुमारी,पल्लवी कुमारी,अंशिका कुमारी, आफिया खान,नंदनी कुमारी, अंजलि कुमारी,जीनत आरा,सिमरन शर्मा,रिशा कुमारी व गुड़िया कुमारी। स्टैंड बाई खिलाड़ी रिविका जायसवाल,नंदनी कुमारी व निधि कुमारी है।

नौकरी ! बिहार के लिए सुनहरा अवसर नौकरी !!
PS BAJAJ FINANCE WHOLESALE MARKET
प्रियांशु बाजाज
Managing Director
फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड
बिहार में कुल रिक्त 640 सीट (लडके तथा लड़कियों के लिए)

S.No.	Position	Qualification	No. of Possession	Pay Scale
1.	Branch Manager	Graduation	40	30,000 – 35,000
2.	Finance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
3.	Insurance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
4.	Branch Accountant	I.Com / B.Com with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
5.	Filed Officer	10th / 10th +2	160	15,000 – 20,000
6.	Store Keeper	10th	80	15,000
7.	Delivery Boy	10th	160	10,000 + Commission
8.	Supervisor	Graduation with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
9.	Security Guard	Retired Home Guard Officer	40	10,000
10.	Distributer	Minimum 8th Passed	We will Provide loan of Rs. 5Lakh - 10 Lakh rupees.	10,00000
11.	Peon	Minimum 8th Passed	40	10,000 – 15,000

नोट - ऑनलाइन फॉर्म फइल करने के लिए https://psbajajholselemarket.in/career पर जाए । अधिक जानकारी के लिए हमारे हेल्पलाइन न० – Whatsapp - +91 8755711350 पर संपर्क करे।
Mobile No - +91 7324818096
*नियम एवं शर्ते लागु

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

अपराध की योजना बना रहे पांच बदमाश गिरफ्तार

देशी पिस्तौल, स्कार्पियो और तमंचा बरामद

बीएनएम। हरसिद्धि

हरसिद्धि पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान लूट की घटना को अंजाम देने आये पांच लूटेरों को लूट की घटना को अंजाम देने के पूर्व हीं गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार लूटेरों के पास से एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक तमंचा तथा उजले रंग का स्कोर्पियो एसके ओ 1पीए 1777 बरामद किया। पकड़े गए लुटेरों में तुरकौलिया सेमरा टोला के जुल्फेकार अली का पुत्र शहरयार अंसारी तुरकौलिया वार्ड नम्बर 4के अब्दुल आलम का पुत्र चांद आलम वार्ड नम्बर 7 के मनोज सिंह का पुत्र आकाश कुमार कचहरी टोला के शिव जी साह का पुत्र राजा कुमार तथा बैरगनिया के अशोगी वार्ड नम्बर 3 के सुनील पटेल का पुत्र अमित कुमार शामिल है। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि सोमवार की रात्रि दस बजे गश्ती में दरोगा रविरंजन कुमार तथा पीएसआई अमित कुमार के साथ घिउवाढार जा रहे थे कि सूचना मिला की तुरकौलिया के तरफ से सेवरहा की ओर स्कार्पियो में पांच बदमाश हथियार के साथ लूट की घटना का अंजाम देने जा रहे है।सूचना पर सभी सेवरहा गेये और वाहन जांच करने लगे।इसी क्रम में एक उजला स्कार्पियो आया और पुलिस के देखते हीं पीछे घुमाकर भागने लगा। पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। आवश्यक कार्यवाही करते हुए पांचो पर आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज किया गया। पूछ ताछ के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जहर खाने से हुई हिला की मौत मामले में पांच नामजद, भेजा गया जेल

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के कृतपुर पंचायत के गडुपुर गांव में सोमवार को एक विवाहिता ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतिका मोहम्मद जलील की पत्नी सफीजन खातून 40 वर्ष बताई गई है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि सफीजन खातून और उसके पति मोहम्मद जलील में घरेलू विवाद हुआ था जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच हाथापाई भी हुआ। जिसको लेकर सफीजन खातून ने जहर खा ली जहां सफीजन की इलाज के क्रम में मोतिहारी में मौत हो गई। मौत की खबर सुनते हैं स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। इसकी खबर मृतिका के भाई को मिली, इस संबंध में सफीजन के भाई मलाही थाना क्षेत्र के दामोदरपुर निवासी अलीम आलम ने थाने में आवेदन देकर पांच लोगों को नामजद किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांचो आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाया और पूछताछ के बाद मोतिहारी जेल भेज दिया। मृतका सफीजन खातून के भाई ने आरोप लगाया कि मेरे बहन को पांचो आरोपी मिलकर जहर खिला दिए, जिससे उसकी मौत हो गई। वही इस मामले में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें मृतिका से कोई पूछ रहा है कि तुम जहर खाई हो कौन जहर खिलाया है तो उसने बताई की मैं अपने पति जलील के कारण जहर खाई हूं, मुझको कोई दूसरा व्यक्ति जहर नहीं खिलाया है।

पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का मनाया गया जन्मदिन

बीएनएम। कल्याणपुर। अंचल परिसर कल्याणपुर में मंगलवार को राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन राजद कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष योगेंद्र महतो, असरार आलम, प्रेमचंद यादव, जितेन्द्र कुमार, सरोज पासवान, अशोक यादव, सफायत हुसैन, सफायत हुसैन, सरोज पासवान, रमेश दास, अनिल यादव, केदार यादव आदि थे।

आम जनता,परिवादियों के समस्याओं को सुन एसपी ने समस्याओं का किया समाधान

जनता दरबार में एसपी ने बारी बारी से शिकायत सुनकर न्यायोचित कार्रवाई का भरोसा दिया। साथ हीं मामले को लेकर संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देश दिये

बीएनएम। बगहा। हर कार्य दिवस की तरह पुलिस अधीक्षक, बगहा सुशांत कुमार सरोज के द्वारा प्रखंड बगहा- 02 के प्रशिक्षण सभाकक्ष में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों आम जनता, परिवादियों के मामले की सुनवाई की गई। इस दौरान बगहा पुलिस जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के आये आम जनता, परिवादियों ने अपनी-अपनी समस्या को एसपी के समक्ष रखा। जहां एसपी के द्वारा आम जनता,परिवादियों की बारी-बारी से फरियाद सुनी।जिसपर एसपी ने संबंधित थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं एसपी द्वारा कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। शेष मामले को संबंधित थानाध्यक्ष के समक्ष निष्पादन के लिए भेजा गया।एसपी सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि जनता दरबार के जो भी मामले जाते हैं। उसे त्वरित गति से निष्पादन कर जानकारी दें साथ ही उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लगातार दैनिक जनता दरबार का आयोजन का किया जाता हैं। वही त्रिदिवसीय नए अपराधिक कानून प्रशिक्षण के चलते प्रशिक्षण सभाकक्ष में जनता दरबार लगाया गया और आम जनता व परिवादियों की समस्याओं को सुना गया तथा त्वरित निराकरण हेतु संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

विद्युत स्पर्शघात से पटवन कर रहे 17 वर्षीय युवक की मौत

बीएनएम। रामगढ़वा

थाना क्षेत्र के शिव नगर सतपिपरा में गांव में मंगलवार को विद्युत करंट लगने से एक युवक की मौत घटनास्थल पर हो गई। मृत युवक की पहचान प्रमोद कुशवाहा का सत्रह वर्षीय पुत्र कृष्णनंदन कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़वा पुलिस घटना स्थल पर जाकर मामले की जांच की और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया है। घटना के कारणों का पुलिस पता कर रही है। बताया जाता है कि यह युवक अपने पिता के साथ धान का बिचड़ा का पटवन करने गया हुआ था। इस बीच बिजली के मोटर के अर्थिंग की चपेट आ जाने से घटना स्थल पर ही इसकी मौत हो गई। ग्रामीण मुकेश ओझा ने बताया कि मृतक अपने घर के बगल में अवस्थित सब्जी के खेत मे गया था। खेत मे 11 हजार बोल्ट के तार एक दूसरे तार में सट कर गिर गया था। उसी दरम्यान कृष्णनंदन खेत जा रहा था तभी अचानक तार सट गया जिसके बाद वही गिर गया और दम तोड़ दिया। बाद में ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया।

राज्यस्तरीय क्रिकेट अंडर-15 में अक्षरा ने किया बेहतर प्रदर्शन,मिल रही बधाईयां

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में अंडर-15 क्रिकेट टीम को लेकर पटना में कराये जा रहे ट्रॉयल मैच के दौरान रक्सौल की बेटी अक्षरा गुप्ता ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से रक्सौल का नाम रौशन किया है। शहर के वार्ड नंबर 4 सुंदरपुर रोड निवासी रीना गुप्ता व राजकिशोर साह की पुत्री अक्षरा गुप्ता पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में पहले ट्रॉयल मैच में टीम ए के तरफ से खेलते हुए बतौर ओपनर बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंद में 134.55 के स्ट्राइक रेट से 74 रन बनायी है, जिसमें 13 चौके शामिल है, जबकि गेंदबाजी में भी अक्षरा गुप्ता ने 6 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट लिये है। 6 ओवर में अक्षरा गुप्ता के द्वारा 2 मेडन ओवर भी कराया गया है। मंगलवार को हुए खेल में 37 रन बनाकर बैटिंग कर रही अक्षरा गुप्ता को रियाटर वापस बुला लिया गया। ऐसा इसलिए कि ट्रॉयल मैच में अन्य दूसरे खिलाड़ियों को भी मौका मिल सके। यहां बता दे कि अंडर-15 क्रिकेट टीम के चयन के लिए पूरे बिहार से 60 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। जिनके बीच चार टीम बनायी गयी है। इसी में एक टीम जिसका नाम टीम ए दिया गया है, उसमें अक्षरा गुप्ता खेल रही है। इसी ट्रॉयल के प्रदर्शन के आधार पर आगे नवंबर महीने में होने वाले मैच के लिए बिहार की टीम का सेलेक्शन किया जायेगा। अक्षरा के इस प्रदर्शन से उसके परिजन के साथ-साथ शहरवासी उसके उज्जवल भविष्य की कामना कर रहे है और सभी की हार्दिक इच्छा है कि अक्षरा गुप्ता के प्रदर्शन के आधार पर वह टीम का सदस्य बनकर बिहार और चंपारण का नाम देश में रौशन करेगी। अक्षरा के इस प्रदर्शन पर बधाई देने वालो में उसके दादा फागु साह सहित राजू साह, राजेश्वर साह, रामकृपा गुप्ता, वार्ड नंबर 4 के पार्षद प्रतिनिधि निप्पू गुप्ता सहित अन्य शामिल है।

मजदूरी करने गया था पंजाब, ट्रैक्टर में चपेट के आने से हुई मौत

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मानिकपुर पंचायत के वार्ड नंबर 8 के लक्ष्मनवा गांव निवासी विशुनदेव महतो के पुत्र राजेश महतो 35 वर्ष की मौत मगलवार को पंजाब के बिंडपुर के माजरा काला मछली गांव में ट्रैक्टर में चपेट के आने से हो गई। मृतक राजेश 9 दिन पूर्व अपने गांव से मजदूरी करने पंजाब गया था। मृतक खेतीबारी का काम कर रहा था, जिसके दौरान ट्रैक्टर पर खाद लात कर खेतों में गिराया जा रहा था, जहां वह ट्रैक्टर की चपेट में आ गया और दबकर उसकी मौत घटनास्थल पर हो गई। घटना की सूचना पंजाब पुलिस ने मृतक के परिजनों के दी। मौत की खबर सुनते ही गांव में कोहराम मच गया और उसकी पत्नी हेवांति देवी दहाड़ मार कर रोने लगी। कहने लगी की हम लोग गरीब व्यक्ति हैं अब हम लोगों का भरण पोषण कैसे होगा, इसकी जानकारी देते हुए सरपंच राजीव रंजन उर्फ पप्पू ने बताया कि पंजाब पुलिस के द्वारा शव को पोस्टमार्टम कराकर मृतक के गांव मानिकपुर भेजा जाएगा। मृतक राजेश की तीन लड़के हैं, प्रथम सुजीत कुमार 13 वर्ष , अंगित कुमार 10 वर्ष संगीत 4 वर्ष का है राजीव रंजन कुमार ने बताया कि जिसके यहां काम कर रहा था वहां के किसान से बात कर मामले की जानकारी लिया जाएगा।

संपादकीय

विपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल

चुनाव में हार जीत लगा रहता है, या तो सत्ता मिलती है या सत्ता जाती है जीवन का गहरा, सच्चा और स्थायी सुख कब दूसरों के सुख के लिए जीने से मिलता है किसी भी स्थिति के लिए जनता का फैसला सर्वमान्य होता है जिसे स्वीकार करना चाहिए सत्ता मिलने पर जाने का भय भी एक चुनौती होती है सत्ता ना मिलने पर चिंता नहीं करनी चाहिए, जनता की सेवा में लग जाना चाहिए क्योंकि दूसरों को सुख देनेवाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं हो सकता है। न हि कल्याणकृत् कश्चित् दुर्गतिं तात गच्छति (गीता) अर्थात् दूसरों के सुख के लिए जीनेवाल व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होता है। अपना अपमान अथवा अपनी हानि करनेवालो के भी दुःख में सुख ढूँढ़नेवाला कभी सुखी नहीं हो सकता। जीवन का सत्कार करनेवाला सबसे प्रेम करता है, सबको यथाशक्ति, यथासम्भव सुख देने का प्रयत्न करता है। मानवमात्र के प्रति प्रेम करना ही मानव का सबसे बड़ा बल है। जीवन दीर्घ हो या लघु, महान् होना चाहिए। सबसे प्रेम करनेवाला, सबको सुख पहुँचानेवाला व्यक्ति सबसे बड़ा है। अच्छी प्रकार जिया हुआ लघु जीवन निरर्थक दीर्घ जीवन की अपेक्षा अधिक अच्छा है। जब तक जीवन रहे, समस्त भय छोड़कर सबको सुख देते रहें। प्रभु से अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए प्रार्थना करें। दूसरों की मंगलकामना करे से अपना भी मंगल हो जाता है। सबके लिए जीनेवाला व्यक्ति मरकर भी अमर रहता है। दूसरों के लिए जीना, दूसरों के लिए प्रार्थना करना, दूसरों के सुख के लिए स्वयं दुःख उठाना, सच्चे सुख की सच्ची राह है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ समय के लिए अकारण ही मानसिक उदासी और उत्फुल्लता का दौर आता रहता है। उदासी के दौर में निराशा को घर करने न देना चाहिए तथा समझ लेना चाहिए कि वह दौर स्वयमेव निकल जायगा। उत्फुल्लता के दौर में किसी उत्तम कर्म में जुट जाना चाहिए। सब प्रकार के पश्चात्ताप छोड़ दें। भूलों पर पछतावा करते रहने से शक्ति कुण्ठित होती है। अपनी पुरानी भूलों को पाप की संज्ञा देकर अपने को पापी एवं कलंकित मान बैठना और आत्मग्लानि की दलदल में धँसे रहा महापाप है। भूतकाल को स्वप्न की भाँति मिथ्या समझकर उसके साथ अपना नाता तोड़ दीजिये और वर्तमान को उल्लासमय बनाने का सच्चा प्रयत्न कीजिए। भूल को स्वीकार करने से भूल का अन्त हो जाता है। सत्ता ना मिलने पर ये समझ लेना चाहिए जनता हमारे व्यवहार से दुःखी है और एक ही गलती को हम बार-बार दोहरा रहे हैं हाँ, सत्पुरुष अपनी भूल को स्वीकार करने में नहीं हिचकता है, क्योंकि भूल स्वीकार करने से मन हलका होता है तथा सुधार प्रारंभ हो जाता है। भूल मानते ही गलत पग को पीछे हटा लेना तथा भूल करते न रहना शूरवीर का काम है। आगे सँभलकर चलें और आगे बढ़ें। पूर्ण कौन है ? किससे कभी भूल नहीं होती ? कौन सदैव सफल होता है ? भूल अथवा विफलता हो गयी तो आत्मग्लानि की क्या बात है ? बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ। दूसरों के सामने रो-रोकर पुरानी भूलों के गीत गाने से भूलों के संस्कार दृढ़ होते हैं, शक्ति का ह्रास होता है तथा उत्साह का क्षय होता है। पुरानी भूलों के स्मरण में उलझे रहने से प्रगति ही अवरुद्ध हो जाती है।

सच्चा पछतावा वह है जो दोष को भस्म करके शीघ्र ही स्वयं भी विलुप्त हो जाये तथा आप भविष्य के लिए संकल्प लेकर शांत एवं शीतल हो जायँ और तत्पश्चात् बार-बार भूलों को न याद करें, न दुःख मानें। ग्लैडस्टोन ने कहा था कि कोई मनुष्य बहुत-सी और बड़ी-बड़ी भूलें बिना किये हुए कभी बड़ा या भला नहीं बना। चुनाव हारने वाले दल, जो सरकार बनाने में असफल रहते हैं, विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं तथा वे सरकार के कामकाज, नीतियों तथा असफलताओं की आलोचना करने का महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं। वे तानाशाही सत्ता को अपनाने से सरकार को रोकते हैं। इसके लिए विरोधी दल सदन में कुछ विधियों का प्रयोग करते हैं जैसे - अविश्वास प्रस्ताव और ध्यानकर्षण। विधायिका से बाहर भी वे सरकार की संगठित आलोचना जारी रखते हैं। विरोधी पक्षों का काम विरोध करना, पोल खोलना तथा सत्ता से उतारना माना जाता है। इस प्रकार उनका उद्देश्य देश में एक बेहतर शासन सुनिश्चित करना होता है। महान गायत्रीसाधक आचार्य पं श्री राम शर्मा ने कहा है कि जिस शिक्षा में समाज और राष्ट्र की बात नहीं हो, वह सही नहीं कही जा सकती।अतः राष्ट्र सर्वोपरि है सभी दलों को राष्ट्र को ही हमेशा सबसे बड़ा है उसके प्रति ही सोचना चाहिए और ऐसा नहीं करना चाहिए जिससे सेना को अपमान सहना पड़े और पड़ोसी दोस्त जो हमारी पिठ में छुरा ही नहीं तलवार घोंप रहा हो वह राष्ट्रविरोधी बयान से खुश होविपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल है कारण अपने राज्य में कई दल उसके अलग हो कर चुनाव लड़ा है और आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार कांग्रेस के गठबंधन से हुई है ममता की पार्टी ने कांग्रेस खिलाफ लड़ा तभी 29सीट मिले और अब इण्डिया गठबंधन में भी है कमल की बात है. आज 20-30सीट वाली पार्टी प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रही है इतना मालूम होना चाहिए माननीय राष्ट्रपति पहले बड़े दल को ही सरकार को आमंत्रित करती है यानि जनादेश को भी देखना चाहिए की बड़ी पार्टी बीजेपी है जो 240सीट लाई है और बड़ी पार्टी है एन डी ए को 292 सीट मिली है यानि सरकार तो बनाना तय है और हुआ विपक्ष को 99सीट क्यों मिले इसपर ग़ौर करना चाहिए।

- संजय गोस्वामी

बाल-श्रम की अंधी गलियों में बेहाल बचपन कब तक?

पूरी दुनिया में बाल श्रम एक ज्वलंत समस्या है, कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज, सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? बचपन इतना डरावना एवं भयावह हो जायेगा, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। आखिर क्या कारण है कि बचपन अपराध एवं बाल श्रम की अंधी गलियों में जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज और सरकार इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? यह प्रश्न विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाते हुए हमें झकझोर रहे हैं। पूरी दुनिया में प्रत्येक वर्ष 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की पहल अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने की थी, जिसका मकसद बाल श्रम को रोकना था। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस 2024 की आधिकारिक थीम है- 'आइए अपनी प्रतिबद्धताओं पर कार्य करें-बाल श्रम समाप्त करें!' यह दिन जागरूकता बढ़ाने, परिवर्तन की वकालत करने तथा बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

मालूम हो कि इसको मनाने के पीछे एक खास वजह यह थी कि बच्चों को मजदूरी न कराकर उनको स्कूलों की ओर शिक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। मालूम हो कि बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। उनका यह बचपन रूपी भविष्य आज बाल श्रम के कारण नशे, अपराध एवं जटिलताओं की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। जब हम किसी गली, चौराहे, बाजार, सड़क और हाईवे से गुजरते हैं और किसी दुकान, कारखाने, रैस्टोरैंट या ढाबे पर 12-14 साल के बच्चे को टायर में हवा भरते, पंक्चर लगाते, चिमनी में मुंह से या नली में हवा फूंकते, जूठे बर्तन साफ करते, गारा उठाते, या खाना परोसते देखते हैं और जरा-सी भी कमी होने पर उसके मालिक से लेकर ग्राहक द्वारा गाली देने से लेकर, धकियाने, मारने-पीटने और दुर्व्यवहार होते देखते हैं तो अक्सर 'हमें क्या लेना है' या ज्यादा से ज्यादा मालिक से दबे शब्दों में उस मासूम पर थोड़ा रहम करने के लिए कहकर अपने रास्ते हो लेते हैं। लेकिन कब तक हम बचपन को इस तरह प्रताड़ित एवं उपेक्षा का शिकार होने देंगे। बचपन से जुड़ी इस त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों पर नियंत्रण के लिये, बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, पिछले दो दशकों से पूरी दुनिया में बाल श्रम को कम करने के लिए लगातार पहल की जा रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान संघर्षों, संकटों और कोरोना महामारी ने विश्व में कई परिवारों को गरीबी में धकेल दिया है, जिसके कारण लाखों बच्चों को बाल श्रम के लिए मजबूर होना पड़ा है। आज का बालक ही कल के समाज का सृजनहार बनेगा। बालक का नैतिक रूझान व अभिरूचि जैसी होगी निश्चित तौर पर भावी समाज भी वैसा ही बनेगा। आज दुनिया में 160 मिलियन बच्चे अभी भी बाल श्रम में लगे हुए हैं। यह दुनिया भर में लगभग दस में से एक बच्चा है। बाल श्रम के मामले में अफ्रीका सभी क्षेत्रों में सबसे ऊपर है। अफ्रीका और एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दुनिया भर में बाल श्रम में लगे हर दस बच्चों में से लगभग नौ बच्चे बाल-श्रमिक हैं। शेष बाल श्रमिक आबादी अमेरिका (11 मिलियन), यूरोप और मध्य एशिया (6 मिलियन) और अरब राज्यों (1 मिलियन) में विभाजित है। जबकि बाल श्रम में बच्चों का प्रतिशत निम्न आय वाले देशों में सबसे अधिक है, वास्तव में उनकी संख्या मध्यम आय वाले देशों में अधिक है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में 9 प्रतिशत बच्चे और उच्च-मध्यम आय वाले देशों में 7 प्रतिशत बच्चे बाल श्रम में हैं।

पिछले कुछ वर्षों में बाल श्रम को कम करने में बहुत प्रगति हुई है, हाल के वर्षों में वैश्विक रुझान उलट गए हैं और अब पहले से कहीं अधिक यह महत्वपूर्ण है कि सभी रूपों में बाल श्रम को समाप्त करने की दिशा में कार्रवाई में तेजी लाने के लिए मिलकर काम किया जाए। 2022 में बाल श्रम के उन्मूलन पर 5वें वैश्विक सम्मेलन के बाद प्रतिनिधियों द्वारा अपनाई गई डरबन कॉल टू एक्शन रास्ता दिखाती है। अब बाल श्रम के उन्मूलन को वास्तविकता बनाने का समय आ गया है। मालूम हो कि बाल श्रम का प्रमुख कारण गरीबी है, जिसके कारण बच्चों को पढ़ाई छोड़कर मजबूरी में मजदूरी का रास्ता चुनना पड़ता है। हालांकि, कई बच्चों को अपराध रैकेट द्वारा बाल श्रम के लिए मजबूर किया जाता है। भारत की बात करें तो सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार तो लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं। इन बाल श्रमिकों में से 19 प्रतिशत के लगभग घरेलू नौकर हैं, ग्रामीण और असंगठित क्षेत्रों में तथा कृषि क्षेत्र से लगभग 80 प्रतिशत जुड़े हुए हैं। शेष अन्य क्षेत्रों में, बच्चों के अभिभावक ही बहुत थोड़े पैसों में उनको ऐसे ठेकेदारों के हाथ बेच देते हैं जो अपनी व्यवस्था के अनुसार उनको होटलों, कोठियों तथा अन्य कारखानों आदि में काम पर लगा देते हैं। उनके नियोक्ता बच्चों को थोड़ा सा खाना देकर मनमाना काम कराते हैं। 18 घंटे या उससे भी अधिक काम करना, आधे पेट भोजन और मनमाफिक काम न होने पर पिटाई यही उनका जीवन बन जाता है।

केवल घर का काम नहीं इन बालश्रमिकों को पटाखे बनाना, कालीन बुनना, वेल्डिंग करना, ताले बनाना, पीतल उद्योग में काम करना, कांच उद्योग, हीरा उद्योग, माचिस, बीड़ी बनाना, खेतों में काम करना (बैल की तरह), कोयले की खानों में, पत्थर खदानों में, सीमेंट उद्योग, दवा उद्योग में तथा होटलों व ढाबों में झूठे बर्तन धोना आदि सभी काम मालिक की मर्जी के अनुसार करने होते हैं। इन समस्त कार्यों के अतिरिक्त कूड़ा बीनना, पोलीथिन की गंदी थैलियाँ चुनना, आदि अनेक कार्य हैं जहाँ ये बच्चे अपने बचपन को नहीं जीते, नरक भुगतते हैं परिवार का पेट पालते हैं। इनके बचपन के लिए न माँ की लोरियां हैं न पिता का दुलार, न खिलौने हैं, न स्कूल न बालदिवस। इनकी दुनिया सीमित है तो बस काम काम और काम, धीरे धीरे बीड़ी के अधजले टुकड़े उठाकर धुआं उडाना, यौन शोषण को खेल मानना इनकी नियति बन जाती है। इन कमजोर नींवों पर हम कैसे एक सशक्त राष्ट्र की कल्पना कर सकते हैं? बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं। बचपन बचाओ आंदोलन, चाइल्ड फंड, केयर इंडिया, तलाश एसोसिएशन, चाइल्ड राइट्स और ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर आदि संस्थाओं ने बाल श्रम खत्म करने की दिशा में सार्थक पहल की है। बाल मजदूरी से बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता ही है, देश भी इससे अछूता नहीं रहता क्योंकि जो बच्चे काम करते हैं वे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हो जाते हैं और जब ये बच्चे शिक्षा ही नहीं लेंगे तो देश की बागडोर क्या खाक संभालेंगे? इस तरह एक स्वस्थ बाल मस्तिष्क विकृति की अंधेरी और संकरी गली में पहुँच जाता है और बाल-श्रमिक एवं अपराधी की श्रेणी में उसकी गिनती शुरू हो जाती हैं। ऐसा न हो इसके लिए आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों के बीच बर्फ-सी जमी संवादहीनता एवं संवेदनशीलता को फिर से पिघलाया जाये। फिर से उनके बीच स्नेह, आत्मीयता और विश्वास का भरा-पूरा वातावरण पैदा किया जाए। सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के समुचित विकास के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। ताकि इस बिगड़ते बचपन और भटकते राष्ट्र के नव पीढ़ी के कर्णधारों का भाग्य और भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

-ललित गर्ग

मप्र की मोहन सरकार अब कड़े फैसलों की तैयारी में

आम-चुनाव 2024 के नतीजे भले ही खिचड़ी हों। लेकिन मप्र में मोदी-मोहन मैजिक चला इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। यूं तो इस बार के नतीजे अलग-अलग राज्यों के लिहाज से अलग देखे जाएंगे। लेकिन जहां तक मध्य प्रदेश और दिल्ली की बात है, भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। निश्चित रूप से इसका श्रेय दिल्ली भाजपा संगठन तो मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश संगठन को जाता है। प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों में जिस तरह की बयार बह रही थी उसके बावजूद हवा के रुख का जरा सा भी असर नहीं होना बताता है कि कहीं न कहीं इसके लिए डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की तैयारियां अचूक थीं।छिंदवाड़ा की जीत यही बताती है। प्रदेश की सीमाओं की बात करें तो उत्तर में उत्तर प्रदेश,दक्षिण में महाराष्ट्र, उत्तर-पश्चिम में राजस्थान, पश्चिम में गुजरात औरपूर्व में छत्तीसगढ़ जहां हर जगह भाजपा को वो क्लीन स्वीप नहीं मिली जो कि मध्य प्रदेश और दिल्ली में एकतरफा थी। इस बात को कैसे नकार सकता है कि यह बिना मेहनत संभव हुआ होगा? वह भी उन हालातों में जब मतदाताओं ने यहां भी खामोशी अख्तियार की हुई थी। शायद इसी मुगालते में कांग्रेस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही औरखामोश मतदाताओं ने मोदी-मोहनके भरोसे पर भाजपा की पूरी झोली भर दी।

मुख्यमंत्री बनते ही डॉ. मोहन यादव के कड़े फैसलों जिसमें बेलगाम लाउड स्पीकरों सहित मांस, मटन की खुले आम बिक्री पर लगाम लगाना अहम रहा। सख्ती के साथ सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन कराने केतल्ख संदेश को हर वर्ग ने सराहा। यहीं से उनकी अलग छाप दिखी। इसके अलावा प्रदेश में बढ़ते बल्कि बेखौफ हो चुके माफिया राज को भी न केवल काबू किया बल्कि ताबड़तोड़ कार्रवाई करवो किया जो अब तक नहीं हुआ। इसी बीच नर्सिंग घोटाले, बिगड़ी कानून व्यवस्था दुरुस्त करने, निजी स्कूल माफियाओं पर सख्तीने साफ कर दिया कि जो चलता था,अब नहीं चलेगा।इससे प्रदेश की बेलगाम अफसरशाही को भी सख्त संदेश गया। कई मौकों पर आचार संहिता के चलते भी अड़चनें आईं लेकिन बावजूद इसके अपनी सीमा में जो किया वह भी बड़ा ही था। चुनाव के तीसरे चरण के दौरान शहडोल में रेत माफियाओं द्वारा एक पुलिस अधिकारी को ट्रैक्टर से रौंदकर मार डालने, शहडोल संभाग मुख्यालय में ही नाबालिग बालिका से गैंगरेप की घटना ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन घटना में शामिल सभी आरोपी न केवल तुरंत धरे गए,बल्कि सभी के अवैध निर्माणों को जमींदोज कर सीखचों में पहुंचा अपना सख्त पैगाम फिर दे दिया। निश्चित रूप से इस सख्ती का पूरे प्रदेश में बड़ा संदेश गया।

प्रदेश मे बेलगाम हो चुके खनन माफियाओं पर देखते ही देखते दर्जनों से सैकड़ो मेंहुई ताबड़तोड़ कार्रवाइयों से संगठित, सिंडीकेट के रूप में काम करने वाले लोग सकते में आ गए। सीधी, सिंगरौली, शहडोल, देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगौन, हरदा में पचासों करोड़ रुपए के पोकलिन मशीनें, पनडुब्बी सहित रेत ढ़ोने वाले हाइवा, ट्रेक्टर जप्त हुए। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूरे प्रदेश में किस कदर खनन माफिया हावी रहे जिनकी जडें बहुत गहरी और अर्से से हैं। अवैध रेत निकासी, अवैध कोयला खदानों पर भी धड़ाधड़ गाज गिरने लगी। कोयला-रेत उत्खनन का गढ़ बनते शहडोल में ही मई के आखिरी सप्ताह तक 74 मामलों में 5 करोड़ 19 लाख रुपयों से ज्यादा का जुर्माना लगाकर नवागत कलेक्टर तरुण भटनागर ने बता दिया कि शासन-प्रशासन और डॉ. मोहन यादव की मंशा क्या है। इसी तरह ड्रग माफियाओं पर भी जबरदस्त नकेल कसी गई। मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जहां-तहां अवैध गांजे व नशीली दवाइयों की खेप पकड़ी जाने लगीं। शायद ही कोई दिन जाता हो जब प्रदेश में कहीं न कहीं ऐसी कार्रवाई न दिखती हो।

अब प्रदेश में जिलों और संभागों की नई सीमाओं के पुनर्गठन की तैयारी है। इसकी अर्से से मांग थी। प्रदेश की आधी से ज्यादा आबादी को संभाग या जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि दूसरा जिला मुख्यालय उनके करीब होता है। राज्य में सीमा पुर्नगठन आयोग 10 संभागों व 55 जिलों की भौगोलिक समीक्षा कर तमाम विसंगतियों को दूर करेगा और लगभग एक वर्ष में अपना काम पूरा कर लेगा।

मुख्यमंत्री की विशेष निगाहें राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर है। हाल में स्कूल माफियाओं जिसमें निजी स्कूलों और प्रकाशकों की सांठगांठ पर बड़ी कार्रवाई जबलपुर, शहडोल सहित कई जिलों में होना बताता है कि सरकारी स्कूलों के दिन फिर बहुरने वाले हैं। दरअसल मप्र में जनजातीय कार्य विभाग व स्कूल शिक्षा विभाग की दोहरी व्यवस्था है। जहां-जहां जनजातीय विभाग के अधीन शिक्षा व्यवस्था है वहां पर भारी अव्यवस्थाएं सामने हैं। कहीं अपात्रों को बड़ी संस्थाओं का मुखिया बना देना कहीं जूनियरनौसिखियों के हाथों में कन्या छात्रावासों की जिम्मेदारी तो बड़ी-बड़ी स्कूलों काप्रभार सौंपने का बहुत बड़ा खेल हुआ है। इतना ही नहीं बीते वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की शहडोल यात्रा के बाद चर्चा में आए शहडोल के पकरिया में व्यवस्थाओं का नहीं बदलना खूब सुर्खियों में रहा। एक अदद नियमित अंग्रेजी लेक्चरर को तब भी और अब भी पकरिया का पोषण स्कूल और पूरा करीबी आदिवासी अंचल तरस रहा है। वहीं जनजातीय कार्य विभाग की असीम कृपा से पकरिया से 5 किमी दूर धनपुरी कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल है जहां झूठी जानकारी देकर अंग्रेजी के दो-दो लेक्चरर अब भी तैनात हैं। तत्कालीन जिला प्रशासन ने प्रधानमंत्री के दौरे और तब दो-दो बार तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के आने, रुकने के दौरान यह बात चतुराई से छिपाई थी। निश्चित रूप से ऐसी विसंगतियां और उदाहरण पूरे प्रदेश में सुनाई देते हैं। कहीं अतिशेष तो कहीं युक्तियुक्तकरण के मनमाने मायने निकाल बेखौफ संकुल प्रभारियों का खेला और डेपुटेशन के जरिए कमाने कोजरिए से भी डॉ. यादव वाकिफ हैं। कई बार संकुल व्यवस्था खत्म करने की बातें हुईं। अब इसको लेकर भी बड़ी कार्रवाई की बात भोपाल में सुनने आ रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में सुधार को लेकर बड़ी रणनीति बन रही है तो जनसरोकारों से जुड़े हर विभाग की व्यक्तिगत समीक्षा और निगरानी की योजना चर्चाओं में है।

मध्य प्रदेश में भाजपा द्वारा आम चुनाव में क्लीन स्वीप के बाद राज्य सरकार की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लेकर स्वनामधन्यों का भ्रम टूटता जा रहा है। आचार संहिता खत्म हो चुकी है। विभागों की समीक्षा जारी है। जल्द ही व्यापक स्तर पर बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी है। अधिकारियों से लेकर बरसों से एक ही कुर्सी पर विराजे छोटे-बड़े मुलाजिमों की विदाई के साथ झूठी जानकारी देकर कुण्डली मार जमने वालों के बदले जाने की चर्चाएं हैं।जैसा सुनने में आ रहा है इस बार दलाल संस्कृति के बजाए मुख्यमंत्री अपनी विश्वनीय टीम और भरोसेमंदों से जानकारियों के आधार पर जिले से लेकर तहसील कार्यालयों सहित दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के सराकरी स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं, ग्राम पंचायतों तक में बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं।फर्जी जानकारियों के बूतेकुण्डली मारकर बैठे स्वनामधन्यों को नए ठिकानों पर रुखसत किया जाना तय माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश में शासन स्तर पर अब जैसी कार्रवाइयों की तैयारियां हैं उससे लोगों में एक नई उम्मीद जरूर बंधी है। यदि सब कुछ योजनाबध्द चला तो वह दिन दूर नहीं जब देश में मध्य प्रदेश और डॉ. मोहन यादव मॉडल अपनी अलग प्रशासनिक पहचान बनाकर देश कोनया संदेश देगा।

- ऋतुपर्ण दवे

आज का पंचांग

12 जून को ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि और बुधवार का दिन है। षष्ठी तिथि बुधवार शाम 7 बजकर 17 मिनट तक रहेगी। 12 जून को शाम 5 बजकर 17 मिनट तक हर्षण योग रहेगा। साथ ही सोमवार देर रात 2 बजकर 13 मिनट तक मघा नक्षत्र रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : आज कार्य क्षेत्र में किसी अधीनस्थ से कारण मतभेद हो सकते हैं. कार्य क्षेत्र में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल बनाए रखें. निष्ठा पूर्व अपने कर में लगे रहे. व्यवसाय से जुड़े हुए लोग व्यवहार को अच्छा बनाए रखें. लड़ाई झगड़े से बचें.

वृष : आज नौकरी में पदोन्नति का शुभ समाचार मिलेगा. शासन सत्र में बैठे लोगों से निकटता बढ़ेगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलने से आपके मनोबल में वृद्धि होगी. कोर्ट कचहरी के मामले में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है.

मिथुन : आज नौकरी में स्थान परिवर्तन होने का संकेत प्राप्त होगा. आपको मनचाही स्थान पर तैनाती मिल सकती है. आपका कार्य क्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा. राजनीतिक क्षेत्र में संलग्न लोगों को कोई महत्वपूर्ण पद मिल सकता है. जिससे आपकी पुरानी महत्वाकांक्षा पूरी होगी.

कर्क : आज राजनीतिक क्षेत्र में संलग्न लोगों की कोई महत्व महत्वाकांक्षा पूरी हो सकती है. आपके उच्च पद प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं. कार्य व्यवसाय में समान लाभ होने के योग बनेंगे. अपने सहकर्मियों के साथ तालमेल बिठाने की आवश्यकता रहेगी.

सिंह : आज आध्यात्मिक कार्य में अभिरुचि रहेगी. अपने ईष्ट एवं आराध्या की भक्ति में लीन रहेंगे. कार्य क्षेत्र में धैर्य एवं संयुक्त पूर्वक कार्य करें. किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध होंगे. किसी अधूरे कार्य के पूरे होने से आपके साहस एवं मनोबल में वृद्धि होगी.

कन्या : आज कार्य क्षेत्र में आपको मिश्रित फल मिलेगा. अपने व्यवहार को अच्छा बनाने की कोशिश करें. समाज में अपनी पहचान बनाने का प्रयास करें. अपने महत्वपूर्ण कार्य को दूसरे की भरोसे न छोड़े. आजीविका के क्षेत्र में संलग्न व्यक्तियों को कार्य क्षेत्र में प्रति अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है.

तुला : आज कार्यक्षेत्र में आने वाली विघ्न बाधाएं कम होगी. व्यवसाय के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को अपनी कार्य योजना को विस्तार देने की आवश्यकता रहेगी. परिश्रम करने से पीछे न रहे. सफलता मिलेगी. व्यापार में आत्मविश्वास को कम न होने दे. विरोधियों से सावधान रहें.

वृश्चिक : आज कार्य क्षेत्र में आपके नेतृत्व एवं प्रबंधन की सराहना होगी. नवीन कार्य योजना की भूमिका बनाएंगे. धार्मिक कार्य में आपके विशेष भूमिका रहेगी. व्यापार में सकारात्मकता के साथ आप आगे बढ़े. आपको सफलता अवश्य मिलेगी.

धनु : आज सुखद, आनंददायक समय व्यतीत होगा. रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे. किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा. परिवार में कोई सुखद घटना घट सकती है. नौकरी में उच्चाधिकारी का वरदहस्त बना रहेगा. किसी योजना को आप गुप्त रूप से आगे बढ़ाएं. कुछ गुप्त शत्रु अथवा विरोधी इसमें बाधा डाल सकते हैं.

मकर : किसी नए विषय में जिज्ञसा होगी. महिलाओं का समय खरीदारी में आनंदपूर्वक बीतेगा. जीवनसाथी की चिंता सताएगी. किसी वरिष्ठ परिजन के सहयोग से अधूरा पड़ा कार्य पूरा होगा. नौकरी पेशा वर्ग फायदे में रहेगा. किसी की कही सुनी बातों में न आए. अधिकांश: समय बाल बच्चों के साथ हंसी खुशी में वातावरण बीतेगा.

कुंभ : आज सरकार में बैठे उच्च पदस्थ व्यक्ति से सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा. व्यापारिक विस्तार की योजना सफल होगी. किसी अधूरे कार्य के पूरे होने से मन में उत्साह एवं उमंग बढ़ेगी. ज्ञन विज्ञन के क्षेत्र में आपके बौद्धिक क्षमता की सराहना होगी. रोजी-रोटी की तलाश में अपने शहर से दूर जाना पड़ सकता है. किसी सामाजिक कार्य की कमान आपको मिल सकती है. वाहन सुख में वृद्धि होगी.

मीन : आज कार्य क्षेत्र में पिता का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार में उन्नति के योग बनेंगे. परीक्षा प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त होगी. आध्यात्मिक कार्य में अभिरुचि रहेगी. नौकरी में उच्च अधिकारी से निकटता बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य के संपन्न होने के योग हैं. किसी प्रियजन का दूर देश से शुभ समाचार मिलेगा. कोर्ट कचहरी के मामले में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है. राजनीति में वर्चस्व बढ़ेगा. किसी महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिल सकती है.

क्या होता है डीएनए, जिससे खुल जाते है पीढ़ियों के राज

डीएनए टेस्ट जिसे करने से व्यक्ति के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती हैं। क्या आप इसके बारें में जानते है? क्या आप जानते है भारत में पहली बार डीएनए टेस्ट कब किया गया था? यदि आप भी डीएनए टेस्ट के बारे में नहीं जानते हैं तो यह खबर आपके काम की हैं।

डीएनए टेस्ट एक शक्तिशाली और विश्वासनीय विज्ञान है, जिसके जरिए हम व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके वंश और स्वास्थ्य का विश्वासनीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह विज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन डीएनए से आप व्यक्ति की पूरी जानकारी निकाल सकते हैं। दरअसल डीएनए न सिर्फ व्यक्ति के माता-पिता की जानकारी मिल सकती हैं बल्कि इससे उसकी पुरानी पीढ़ियों, बीमारियों और मजबूती के बारे में पता लगाया जा सकता है। दरअसल आपको बता दें भारत में पहला डीएनए टेस्ट 1991 में हुआ था।

क्या होता है डीएनए?

दरअसल जैसे ज्योतिष में कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह डीएनए से हम व्यक्ति के जींस, पूर्वजों और उनकी आनुवंशिक ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। आपको बता दें की डीएनए को डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड कहा जाता हैं। जानकारी के अनुसार यह हमारे शरीर में मौजूद एक अणु होता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का एक अद्वितीय आनुवंशिक और अलग कोड होता है। आपको जानकारी होगी कि हमारे शरीर में कई करोड़ सेल्स दौड़ती हैं। वहीं ये रेड सेल्स को छोड़कर अन्य सभी सेल्स में एक जेनेटिक कोडिंग होती हैं, जो शरीर को बनाती है। बस इसी कोडिंग की मदद से डीएनए पूर्वज तक की जानकारी निकल लेता हैं। दरअसल इसमें उनके स्वास्थ्य, बीमारियों, उनके वंश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इस जानकारी का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े आपराधिक मामलों में डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ती है।

कैसे करते हैं डीएनए टेस्ट?

डीएनए टेस्ट की जांच के लिए विभिन्न शरीरिक नमूने लिए जाते हैं, जैसे कि मुख की लार, दांत, हड्डियां, नाखून या पेशाब। ये नमूने साइंटिफिक तरीके से प्रक्रियाओं के माध्यम से लेकर डीएनए कोशिकाओं को अलग किया जाता है और उससे व्यक्ति के आनुवंशिक ज्ञान का पता लगाया जाता है।

उई की ऐतिहासिक लंका मीनार...

जहां भाई-बहनों का प्रवेश है निषेध

भारत, आस्था और मान्यताओं का देश माना जाता है, जहां हर ऐतिहासिक स्थल और मंदिर के पीछे अपनी अलग मान्यता होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके साथ बेहद ही रोचक मान्यता जुड़ी हुई है। दरअसल आज हम बात कर रहे हैं लंका मीनार की, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां सिर्फ प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी ही प्रवेश कर सकते हैं। यहां भाई बहनो का प्रवेश निषेध है।

भारत कई संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। यहां का समाज सदियों से चले आ रहे हैं रीती-रिवाजों का प्लान करता है। इसके अलावा यहां कई अजीबों-गरीब मान्यताओं का भी खूब चलन है, जिनके बारे में जानकार हर कोई हैरान रह जाता है। भारत की एक ऐसी ही मान्यता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बताने जा रहे हैं, जो एक मीनार से जुड़ी हई है। ऐसा कहा जाता है कि इस मीनार पर भाई-बहन एक साथ चढ़कर ऊपर जा नहीं जा सकते।

25 वर्षों में मीनार का हुआ था पूरा निर्माण

नगर के मोहल्ला रावगंज स्थित लंका मीनार का निर्माण बाबू मथुरा प्रसाद निगम लंकेश ने सन 1875 में कराया था। 25 वर्षों में लंका मीनार का निर्माण पूरा हुआ था। लंकेश के वंशज विवेक कुमार निगम बताते है कि लंका मीनार में ऊपर चढने के लिये सात गोल फेरों से होकर जाना पड़ता है इसलिये यहां पर भाई बहन चाचा भतीजी मामा भांजी आदि रिश्तों को ध्यान में रख कर लोग लंका मीनार पर चढ़ते हैं लंका मीनार के सात फेरों को शादी के सात फेरों से जोड़ कर देखा जाता है। यदि उक्त रिश्ते के लोग साथ मे लंका मे चढ़ते हैं तो उन्हें पति पत्नी मान लिया जाता है। हालांकि यह बात कहीं इतिहास में दर्ज नही है। यह केवल किवदंती मात्र है।

रावण का पूरा परिवार सहित संसार के सारे देवी देवता स्थापित हैं

लंका मीनार की देखरेख करने वाले विवेक निगम बताते हैं कि लंका मीनार परिसर में रावण के पूरे परिवार के लोगों की मूर्तियां स्थापित हैं। रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड में जितने भी देवी देवताओं का वर्णन मिलता है सभी के चित्र लंका मीनार में स्थापित है वहीं रावण की विशाल काय प्रतिमा के सन्मुख चित्रगुप्त का मंदिर है। इस मंदिर को कुछ इस तरीके से बनाया गया है कि 12 मास 24 घंटे रावण की दृष्टि शिवलिंग पर पड़ती है इसी मंदिर मे संसार के सभी देवी देवता की प्रतिमा स्थापित है

उत्तर प्रदेश में मौजूद है 'लंका मीनार'

इस मीनार की अजीब मान्यता रावण को समर्पित है। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्थित इस मीनार के अंदर रावण के पूरे परिवार के चित्र बनाए गए हैं। वैसे मीनार ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन अपनी अजीब मान्यता की वजह से ये जगह एक टूरिस्ट स्पॉट में बदल चुकी है। इस स्थान का अनुभव लेने के लिए लोग यहां दूर-दूर से आते हैं।

क्यों कराया गया इस मीनार का निर्माण?

इस मीनार के निर्माण की कहानी बड़ी दिलचस्प है. जानकारी के अनुसार, यह मीनार 1857 में, मथुरा प्रसाद नामक एक व्यक्ति द्वारा बनवाई गई थी. कहते हैं कि मथुरा प्रसाद ने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण करवाया था. इसलिए, इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया.

मंदिर को बनाने की कहानी

इस मीनार के निर्माण की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। इस मीनार को 1857 में, मथुरा प्रसाद निगम के एक व्यक्ति द्वारा बनवाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण किया था, जिस वजह से इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया। मथुरा प्रसाद एक कलाकर के रूप में ज्यादातर रावण का किरदार करते थे। ऐसा कहा जाता है कि रावण की भूमिका ने उनपर इतनी बड़ी छाप छोड़ी कि उन्होंने रावण की याद में एक मीनार बनवा डाला। लंका मीनार को बनाने में 20 साल का समय लगा था। टॉवर की ऊंचाई 210 फीट है। इस मीनार को बनाने में उस समय लगभग 1 लाख 75 हजार का खर्चा आया था।

शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता हैं इसे

नगर की लंका मीनार एक ऐसा स्थान है जहां पर भाई बहन मामा भांजी चाचा भतीजी आदि साथ में मीनार पर नहीं चढ़ सकते हैं। क्योंकि इसमें चढने के लिए सात गोल चक्कर हैं जिन्हें शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है यदि उक्त रिश्ते वाले लोग यदि बिना ध्यान दिये लंका में चढ़ जाते हैं तो उन्हें पति पत्नी माना जाता है। इसकी जानकारी पहले लंका मीनार के बाहर भी लिखी थी।

बहन-भाई नहीं जा सकते

लंका मीनार को लेकर एक अजीब मान्यता ये भी है कि यहां मीनार में भाई बहन एक साथ ऊपर नहीं जा सकते हैं। असल में, मीनार के ऊपर जाने के लिए 7 परिक्रमाओं को पूरा करना पड़ता है, जिसे भाई-बहन द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यही कारण कि मीनार के ऊपर एक साथ भाई बहनों का जाना मना है। इसे मान्यता को आप भी कुछ कह लें, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा इसका पालन सालों से किया जा रहा है।

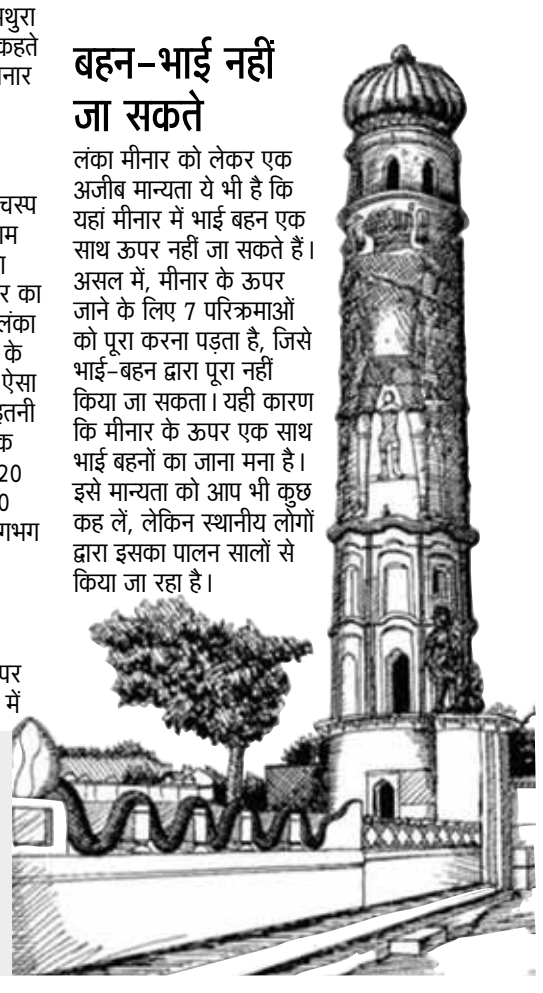

कौड़ी, केसर, शीप, दाल, गुड़ आदि के मिश्रण से हुआ था निर्माण

विवेक कुमार निगम बताते हैं कि इस मीनार का निर्माण कौड़ी, केसर, शीप, उर्द की दाल, गुड़ और चूने आदि का प्रयोग करके कराया गया था। इसका निर्माण कारीगर अजीम ने किया था। लंका मीनार की लंबाई लगभग 30 मीटर है, जिसमें सात घुमावदार मोड़ हैं। वहीं लंका मीनार परिसर में रावण का पूरे परिवार का चित्रण है, जिसमें सौ फीट के कुंभकर्ण व 65 फीट ऊंचे मेघनाद की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, अब तक अधूरा है ये स्टेशन!

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है. भूत होते हैं या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है. पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है. ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है. ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है. जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी.

रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिंज मेट्रो स्टेशन. शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों में ये स्टेशन भुतहा है. अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते हैं. इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है. माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे.

स्टेशन क्यों रह गया अधूरा?

उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं. उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं. तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं. इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन. ये ट्रेन अपने में काफी अनोखी लगती है.

ट्रेन से उतरते थे भूत

1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थीं. वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनों के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया. प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे. पर उन्हें ये कहां पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है. बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं. लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनों को भूत प्रयोग कर रहे हैं. कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा.

क्या था सच

प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है. उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी. वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते. इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनों पर. इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे. न जाने कैसे, लोगों ने ट्रेन को लेकर भूतों की बातें शुरू कर दीं. ऐसी रोचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें.

कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जिनपर विश्वास करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगने लगता है। आज से 66 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना जापान के एक एयरपोर्ट पर घटी थी, जो आज भी एक अनसुलझी पहेली की तरह है। दरअसल, यहां एक रहस्यमय शख्स आ गया था, जो खुद को एक ऐसे देश का नागरिक बता रहा था, जो असल में धरती पर कहीं है ही नहीं। इतना ही नहीं, एक बंद कमरे से वो अचानक गायब भी हो गया था, जिसके बाद वो कभी नहीं दिखा।

66 साल से रहस्य बना है काल्पनिक देश से आया शख्स, अचानक हो गया था गायब

यह घटना जुलाई 1954 की है। दोपहर के 12.30 बज रहे थे। एक यूरोपीय विमान टोक्यो के हेनेडा हवाईअड्डे पर लैंड हुआ। विमान में सवार सभी यात्री नीचे उतरे और चेक आउट काउंटर की तरफ गए। वहां बैठे अधिकारी सभी यात्रियों के पासपोर्ट की जांच कर रहे थे। तभी उन्हें एक ऐसा यात्री मिला, जिसके पासपोर्ट को देख कर वो हैरान रह गए। यात्री के पासपोर्ट पर टॉरेड नाम के एक देश का नाम लिखा हुआ था। जांच कर रहे अधिकारियों ने इससे पहले कभी ऐसे किसी देश का नाम नहीं सुना था। उन्हें वो यात्री संदिग्ध लगा, इसलिए उन्होंने इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों को दी, जिसके बाद उस यात्री को पूछताछ के लिए अलग कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों ने सबसे पहले तो उससे जापान आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि वह एक कारोबारी है और बिजनेस के सिलसिले में ही यहां आया है। सुरक्षा अधिकारियों ने उस रहस्यमय यात्री के पासपोर्ट की जांच की, जिसपर उसके देश का नाम टॉरेड लिखा था। उन्हें भी बड़ा आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कोई देश है। अधिकारियों के पूछने पर उसने बताया कि इस पासपोर्ट पर ये कोई उसकी पहली यात्रा नहीं है बल्कि वो यूरोप के कई देशों में भी जा चुका है। अधिकारियों को भी उसकी बातें सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके पासपोर्ट पर अन्य देशों के जो मुहर लगे थे, वो बिल्कुल असली थे। फिर भी वो इस बात को मानने को कतई तैयार नहीं थे कि जिस देश से वह यात्री आया है, असल में वो धरती पर कहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानने के लिए कि टॉरेड आखिर धरती पर है कहां, उस यात्री को दुनिया का मैप दिखाया और पूछा कि उसका देश कहां है। इसपर उस यात्री ने अंडोरा नाम के देश पर ऊंगली रखते हुए कहा कि यहां उसका देश है, लेकिन उसे ये समझ नहीं आ रहा कि यहां टॉरेड की जगह अंडोरा क्यों लिखा हुआ है। यह सुनकर अधिकारी और भी ज्यादा हैरान हो गए कि आखिर ये शख्स खुद को एक काल्पनिक देश का क्यों बता रहा है, लेकिन उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को देखकर लग रहा था कि वो सच बोल रहा है।

अब वो रहस्यमय यात्री सच बोल रहा है या झूठ, यह जानने का एक ही उपाय था और वो ये कि वह कारोबार के सिलसिले में किससे मिलने आया था। अधिकारियों के पूछने पर उसने उस कंपनी का नाम बताया, जहां उसे जाना था। साथ ही उस होटल के बारे में भी बताया, जहां उसे ठहरना था। इसके बाद अधिकारियों ने उस कंपनी और होटल से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिया। अब जांच अधिकारियों को लगा कि शायद ये कोई शातिर अपराधी है, जो अपनी पहचान छुपा रहा है और यहां किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया है। इसके बाद उन्होंने उसका सारा सामान जब्त कर लिया और पुलिस की कड़ी निगरानी में उसे एक होटल के कमरे में बंद कर दिया गया। अगले दिन जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो पुलिस यह देख कर चौंक गई कि कमरे में तो कोई है ही नहीं, जबकि बाहर पुलिस का पहरा था और कमरे की सभी खिड़कियों को पहले ही सील कर दिया गया था। पुलिस को यह जानकर और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एयरपोर्ट पर उसका जो पासपोर्ट, वीजा और अन्य कागजात जब्त किए गए थे, वो भी गायब थे। अब किसी को भी यह समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये हुआ कैसे।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। कोई कहता है कि वो रहस्यमय शख्स दूसरी दुनिया से आया था तो कोई कहता है कि टाइम मशीन के जरिए वो गलती से यहां आ गया होगा और जब उसने देखा कि उसका राज खुलने वाला है तो वो कहीं गायब हो गया। अब यह सच है या झूठ, ये तो कोई नहीं जानता, लेकिन इस रहस्यमय घटना पर कई किताबें जरूर लिखी जा चुकी हैं, जिनमें से एक है डायरेक्टरी ऑफ पॉसिबिलिटीज।

पेरिस ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम घोषित

नई दिल्ली। सीनियर चयन समिति की वर्चुअल बैठक के बाद नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा कर दी। महिला पिस्टल दिग्गज और अब दूसरी बार ओलंपिक में भाग लेने वालीं मनु भाकर एकमात्र निशानेबाज़ होंगी जो एक से अधिक व्यक्तिगत स्पर्धाओं, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। टीम में राइफल स्पर्धा में आठ और पिस्टल स्पर्धा में सात निशानेबाज हैं। कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ टीम के सभी सदस्य इस समय फ्रांस के वोल्मेरेंज-लेस-माइंस में एक शिविर में हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य घर वापस आने के पश्चात दो सप्ताह का ब्रेक लेने से पहले अनुकूलन और कठिन प्रशिक्षण करना है। टीम चयन पर एनआरएआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, "चयन समिति ने बैठक की और विस्तार

से विचार-विमर्श किया। विस्तार से विचार-विमर्श करने के बाद, हमें लगता है कि हमने योग्यता के अनुसार और नीति पर कायम रहते हुए मौजूदा फॉर्म में सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया है। हमें विश्वास है कि टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए सब कुछ तैयार कर लिया गया है। राइफल और पिस्टल में हमारी गहराई को देखते हुए, कुछ बहुत अच्छे निशानेबाज टीम का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, उनके पास वापसी का मौका रहेगा। हम टीम को शुभकामनाएं देते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं इस अवसर पर महासंघ की ओर से भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने तैयारियों के हर चरण में हमारा मार्गदर्शन और समर्थन किया है। हम अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।" एनआरएआई के महासचिव, सुल्तान सिंह ने कहा ''टीम अच्छी फॉर्म में है और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है, जिसमें चार ओलंपियन और अन्य वरिष्ठ निशानेबाजों के साथ-साथ बहुत से होनहार, आत्मविश्वासी और परिपक्व युवा प्रतिभाएं शामिल हैं। वे एचपीडी के पूरे प्रशिक्षण दल, विदेशी प्रशिक्षकों, राष्ट्रीय प्रशिक्षकों, खेल विज्ञान टीम, फिजियो आदि के मार्गदर्शन और समर्थन में लंबे समय से बहुत व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो एक लक्ष्य की दिशा में दृढ़ता और सूक्ष्मता से काम कर रहे हैं और वह है सफल पोडियम फिनिश हासिल करना। हमें विश्वास है कि टीम पेरिस में राष्ट्र को बहुत गौरवान्वित करेगी।" भारत ने आगामी पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए निशानेबाजी में 21 कोटा अर्जित किए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। पदक के सभी 16 संभावित शॉट्स के अलावा, आठ व्यक्तिगत राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में, भारत के पास चार व्यक्तिगत शॉटगन स्पर्धाओं में रिकॉर्ड पांच कोटा हैं। इसके अलावा, भारत पांच मिश्रित टीमें भी उतारेगा, जिसमें राइफल और पिस्टल में दो-दो और शॉटगन में एक टीम होगी। मौजूदा लोनाटो इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के तुरंत बाद शॉटगन टीम की भी घोषणा की जाएगी। एनआरएआई आईएसएसएफ नियमों के अनुसार उचित रूप से मनु के दो आयोजनों में जगह बनाने के कारण खाली हुए अतिरिक्त कोटा स्थान का आदान-प्रदान करने पर भी विचार कर रहा है।

पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय राइफल और पिस्टल टीमः

राइफल- संदीप सिंह, अर्जुन बबूटा (10 मीटर एयर राइफल पुरुष), एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल महिला), सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला), ऐश्वर्या तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजीशन पुरुष)।

पिस्टल- सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष), मनु भाकर, रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल महिला), अनीश भनवाल, विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी पुरुष), मनु भाकर, ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल महिला)।

पेरिस ओलंपिक टेनिसः रोहन बोपन्ना, सुमित नागल ने भारत के लिए कोटा हासिल किया

नई दिल्ली। टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने क्रमशः युगल और एकल प्रतियोगिता में एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) रैंकिंग के जरिए भारत के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 कोटा हासिल कर लिया है। टेनिस के लिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन विंडो सोमवार को समाप्त हो गई और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी बोपन्ना ने आराम से अपना कोटा हासिल कर लिया, जो पिछले साल नवंबर से युगल प्रतियोगिता के शीर्ष 10 में शामिल हैं। पिछले हफ्ते एकल रैंकिंग में 18 स्थानों की छलांग लगाने के बाद नागल ने भी कोटा हासिल किया। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, रविवार को जर्मनी के हीलब्रॉन नेकरकप में एटीपी चैलेंजर खिताब जीतने के बाद नागल 95वें स्थान से करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 77वें स्थान पर पहुंच गए। पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धा में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे। 10 जून को जारी एटीपी रैंकिंग के अनुसार पुरुष एकल स्पर्धा के शीर्ष 56 खिलाड़ियों को अपने कोटा मिल गए हैं। प्रत्येक देश अधिकतम चार कोटा हासिल कर सकता है। फ्रांस

के पास मेजबान देश के तौर पर एक कोटा स्थान आरक्षित था, ताकि अगर उनका कोई भी खिलाड़ी रैंकिंग के ज़रिए ओलंपिक में सीधे स्थान हासिल न कर पाए तो उसे यह स्थान मिल सके। लेकिन चूंकि फ्रांस ने अपनी रैंकिंग के ज़रिए सभी चार पुरुष एकल कोटा हासिल कर लिए थे, इसलिए मेजबान देश के कोटे को पूल में वापस जोड़ दिया गया और कट-ऑफ 56 से बढ़कर 57 खिलाड़ी हो गया।v नागल हालांकि रैंकिंग में 77वें स्थान पर हैं, लेकिन विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाले पात्र खिलाड़ियों में वह अंतिम स्थान पर हैं। टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत के लिए खेलने वाले नागल जनवरी में रैंकिंग में 138वें स्थान पर थे। उन्होंने इस साल की शुरुआत में चेन्नई ओपन में खिताब जीतकर एटीपी के शीर्ष 100 में जगह बनाई। ओलंपिक टेनिस के लिए, दुनिया भर की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को 19 जुलाई तक कोटा के उपयोग की पुष्टि करनी होगी। उनके पास बहु-खेल आयोजन में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने का विशेष अधिकार है और खेलों में एथलीटों की भागीदारी इस बात पर निर्भर करेगी कि वे ओलंपिक में देश के ध्वज का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों का चयन कैसे करते हैं। इस बीच, युगल स्पर्धा में पुरुष और महिला वर्ग में 32-32 टीमें भाग लेंगी, जिसमें प्रत्येक देश से दो टीमें होंगी।

चेन्नईयिन एफसी ने कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मार जॉर्डन गिल के साथ किया करार

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने 2024-25 सीज़न से पहले मंगलवार को कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल के साथ करार किया है। विल्मर ने 2022 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ आईएसएल में पदार्पण किया। इसके बाद उन्होंने अगले सीजन में आईएसएल में पदार्पण करने वाले पंजाब एफसी के साथ अपना शानदार सफर जारी रखा, जिसमें उन्होंने 15 मैचों में आठ गोल किए। दो बार के आईएसएल विजेता चेन्नईयिन में शामिल होने पर जॉर्डन ने कहा, "मैं इस बेहतरीन क्लब और टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं और मुझे दिए गए इस शानदार अवसर के लिए निर्देशकों और कोच का बहुत आभारी हूं। मैंने हमेशा चेन्नई में खेलने का सपना देखा है और अब मुझे यह खूबसूरत मौका मिला है। बहुत मेहनत, विनम्रता और त्याग के साथ, हम अपने लिए निर्धारित सभी उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं और खिताब जीत सकते हैं।" चेन्नईयिन के साथ एक साल के करार पर जुड़े जॉर्डन के आने से क्लब की 2024-25 सत्र के लिए पांचवीं साइनिंग और एल्सिन्हो डायस और चीमा चुक्वू के बाद उनका तीसरा विदेशी अधिग्रहण हुआ है। क्लब ने पहले कप्तान रयान एडवर्ड्स के करार विस्तार की घोषणा की थी। करार पर कोच ओवेन कॉयल ने अपनी

खुशी जाहिर करते हुए कहा, "विल्मर का करियर शानदार रहा है और उन्होंने हर जगह गोल किए हैं। नॉर्थईस्ट और पंजाब के बीच 33 मैचों में 24 गोल करना एक स्ट्राइकर के लिए शानदार अनुपात है। हम अपने अटैक में इस तरह की ताकत जोड़कर खुश हैं।" अपने पूरे करियर के दौरान, विल्मर ने घरेलू लीग और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने वेनेजुएला में मोनागास के साथ अपने वरिष्ठ करियर की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने 35 मैच खेले और 20 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर के रूप में उभरे।

हरभजन सिंह ने अर्शदीप पर विवादित टिप्पणी को लेकर कामरान अकमल की आलोचना की

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर टिप्पणी के लिए पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल की आलोचना की। भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान, अर्शदीप को आखिरी ओवर सौंपा गया, जिसमें उन्होंने 18 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया। हरभजन द्वारा रीपोस्ट किए गए एक वीडियो में, अकमल एआरवाई न्यूज़ के एक पैनल का हिस्सा थे। शो के दौरान, उन्होंने अर्शदीप के धर्म के बारे में एक विवादास्पद टिप्पणी की और कहा, "कुछ भी हो सकता है... 12 बज गए हैं।" उनकी टिप्पणी हरभजन को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने अर्शदीप पर कामरान की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और एक्स पर लिखा, "लख दी लानत तेरे कामरान अकमल.. आपको अपना गंदा मुंह खोलने से पहले सिखों का इतिहास जानना चाहिए। हम सिखों ने आपकी माताओं और बहनों को बचाया जब उन्हें आक्रमणकारियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था, समय हमेशा 12 बजे का था। शर्म आनी चाहिए... कुछ आभार मानिए।" इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी

के लिए आमंत्रित किया। हालांकि, भारतीय बल्लेबाज इस कठिन सतह पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और स्टार ओपनर विराट कोहली (4) और रोहित शर्मा (13) बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहे। ऋषभ पंत (31 गेंदों में 42 रन, छह चौके) एक अलग पिच पर खेल रहे थे और उन्होंने अक्षर पटेल (18 गेंदों में 20 रन, दो चौके और एक छक्का) और सूर्यकुमार यादव (आठ गेंदों में सात रन, एक चौका) के साथ उपयोगी साझेदारियां कीं। हालांकि, ऐसी कठिन पिच पर रन बनाने के दबाव में निचला मध्य क्रम बिखर गया और भारत 19 ओवर में सिर्फ 119 रन ही बना सका। पाकिस्तान के लिए हारिस राउफ और नसीम शाह ने 3-3, मोहम्मद आमिर ने दो और शाहीन शाह अफरीदी ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने ज़्यादा संतुलित रुख अपनाया और मोहम्मद रिज़वान (44 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 31 रन) ने एक छोर संभाले रखा। हालांकि, बुमराह (3/14) और हार्दिक पांड्या (2/24) ने कप्तान बाबर आज़म (13), फखर जमान (13), शादाब खान (4), इफ्तिखार अहमद (5) के महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए, जिससे पाकिस्तान पर दबाव बरकरार रहा।

व्यापार

उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में मामूली तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। लेकिन शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने हरे निशान में रिकवरी कर ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी, लार्सन एंड टूब्रो, ब्रिटानिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3.78 प्रतिशत से लेकर 0.95 प्रतिशत की

मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा, बीपीसीएल और भारती एयरटेल के शेयर एक प्रतिशत से लेकर 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,205 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 570 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 190.82 अंक की बढ़त के साथ 76,680.90 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक में लाल निशान में 76,296.44 अंक के स्तर तक गोता लगा दिया। हालांकि थोड़े ही देर बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 159.26 अंक की मजबूती के साथ 76,649.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 24.55 अंक की मजबूती के साथ 22,283.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद मुनाफावसूली के दबाव में इस सूचकांक ने भी लाल निशान में 23,206.65 अंक के स्तर तक गोता लगा दिया। लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में वापसी कर ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 53.25 अंक की बढ़त के साथ 23,312.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 203.28 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,490.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 30.95 अंक यानी 0.13 प्रतिशत फिसल कर 23,259.20 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में सपाट कारोबार, चांदी की कीमत में मामूली तेजी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी सपाट स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रहा है। हालांकि कुछ सर्राफा बाजारों में सोने के भाव में मामूली बदलाव भी है। आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,320 रुपये से लेकर 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 66,290 रुपये से लेकर 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज मामूली तेजी आई है। आज की तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 91,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 71,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना

71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 71,710 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.15 डॉलर यानी 0.18 फीसदी फिसलकर 81.48 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.09 डॉलर यानी 0.12 फीसदी लुढ़ककर 77.65 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट

के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

चिराग पासवान ने खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। चिराग पासवान ने मंगलवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के मंत्री का कार्यभार संभाला लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे ईमानदारी से निभाने के संकल्प के साथ यहां आया हूं। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण एक बड़ी जिम्मेदारी है। आने वाला समय फूड प्रोसेसिंग का ही है। राजधानी नई दिल्ली के पंचशील भवन में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के तौर पर अपना पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने मंत्रालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर चल रहे कार्य योजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर चिराग ने कहा कि मैं पिता राम विलास पासवान से सीखते हुए उनकी सोच को आगे बढ़ाते हुए और प्रधानमंत्री के विकसित

देश के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से इस विभाग की एक अहम भूमिका देखता हूं। उल्लेखनीय है कि चिराग पासवान बिहार के हाजीपुर लोकसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद एवं पार्टी प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार में उन्हें पहली बार कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

हरदीप सिंह पुरी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री का पदभार संभाला

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मंत्री का पदभार संभाल लिया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। हरदीप सिंह पुरी को प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल में पहली बार 2021 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। पुरी राज्यसभा सांसद हैं। वे रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से भारत से संबंधित तेल आयात मुद्दों को संभालने में सबसे आगे रहे हैं।

गोविंदा ने लॉन्च किया अपना ओटीटी फिल्मी लट्टू

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा अपने जबरदस्त डांस के लिए पहचाने जाते हैं. फिल्मों में भी गोविंदा ने कमाल किया है और वो हर किसी के फेवरेट एक्टर रहे हैं. गोविंदा ने बताया है कि उनके ओटीटी पर सब्सक्रिप्शन का प्लान क्या है? एक्टर गोविंदा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें बताया है कि उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च हो गया है. डाउनलोड करके फिल्में देखी जा सकती हैं. गोविंदा ने लिखा, प्रस्तुत कर रहा हूं मेरा ओटीटी ऐप फिल्म लट्टू. अभी डाउनलोड करें और देखिए मेरी फिल्म आ गया हीरो. इस वीडियो में गोविंदा की फिल्म आ गया हीरो का टीजर शेयर किया गया है. वीडियो में दिखाया गया कि एंटरटेनमेंट का नंबर 1 ऐप जिसपर 149 रुपये पहले साल के लिए सब्सक्रिप्शन लिया जा सकता है. इस ऐप को आप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं और एप्पल स्टोर पर भी डाउनलोड किया जा सकता है. बता दें, इस एप्लीकेशन पर आपको वेब सीरीज, गोविंदा के एक्सक्लूसिव इंटरव्यू और पर्दे के पीछे के फुटेज जैसी कई चीजें देखने को मिलेंगी. एंटरटेनमेंट के इस ऐप पर आपको बहुत कुछ मिलने वाला है और इसके बारे में गोविंदा ने ही बताया है. अब इसमें क्या-क्या आपको मिलेगा ये आप जब इस ऐप को डाउनलोड करेंगे तब पता चलेगा. गोविंदा ने साल 1986 में आई फिल्म इल्जाम से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने लव 86, हत्या, राजा बाबू, शोला और शबनम, कूली नंबर 1, हीरो नंबर 1, आंटी नंबर 1, दुल्हे राजा, भागम भाग, स्वर्ग, खुद्दार, आग, हम, बनारसी बाबू जैसी बैक टू बैक सुपरहिट फिल्में दी हैं.

धनुष की 51वीं फिल्म कुबेर पर आया बड़ा अपडेट

एक्शन करते दिखेंगे धनुष और नागार्जुन

रायन और कुबेर धनुष की वे फिल्में हैं, जिन्हें देखने के लिए दर्शक काफी उतावले नजर आ रहे हैं। रायन दो वजह से खास है। पहली वजह है- यह धनुष के करियर की 50वीं फिल्म है और दूसरी- यह बतौर निर्देशक धनुष की दूसरी फिल्म है। वहीं, कुबेर को लेकर भी धनुष के फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। इस फिल्म पर एक ताजा अपडेट भी सामने आया है। कुबेर की शूटिंग कई दिनों से जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजा जानकारी यह है कि इन दिनों इस फिल्म के एक्शन सीन की शूटिंग चल रही है। कहा जा रहा है कि इस सीन में धनुष और नागार्जुन दोनों नजर आने वाले हैं। एक चर्चा यह भी है कि इस फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला कर रहे हैं। फिल्म में धनुष और नागार्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस द्वारा किया जा रहा है। कुबेर का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। बता दें कि निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष कुबेर के जरिए पहली बार साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म रायन की बात करें तो इसे 13 जून, 2024 को रिलीज किया जाना था, लेकिन फिर खबर आई कि रिलीज की तारीख पीछे खिसका दी गई है। कहा जा रहा है कि रायन को जुलाई या फिर अगस्त में रिलीज किया जा सकता है। बता दें कि फिल्म का एक गाना रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में धनुष के साथ-साथ संदीप किशन, कालिदास जयराम, एसजे सूर्या, सेल्वाराघवन, प्रकाश राज, अपर्णा बालमुरली, दुशारा विजयन और वरलक्ष्मी सरथकुमार भी काम कर रहे हैं।

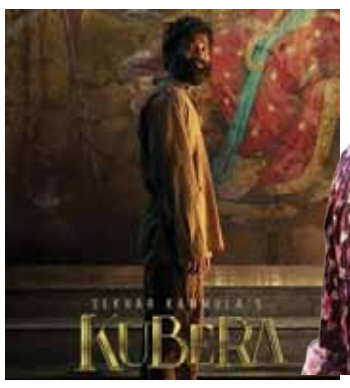

मिस्टर एंड मिसेज माही की रफ्तार हुई धीमी,

जाह्नवी-राजकुमार की फिल्म ने 9वें दिन कमाए 2.15 करोड़

जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई को रिलीज हुई थी. फिल्म को शानदार ओपनिंग मिली. जाह्नवी और राजकुमार राव की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया. हालांकि, अब फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है. फिल्म 8 दिनों में तकरीबन 25 करोड़ की कमाई कर चुकी है. शरन शर्मा के निर्देशन में बनी मिस्टर एंड मिसेज माही ने बॉक्स ऑफिस पर 6.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी। रिलीज के 8वें दिन इसने सबसे कम कमाई यानी सिर्फ 1.3 करोड़ रुपये का ही कारोबार किया था।हालांकि, 9वें दिन इसने 2.15 करोड़ का कलेक्शन लिया। इस तरह मिस्टर एंड मिसेज ने अब तक 9 दिन में देशभर में 27.90 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।यह फिल्म टिकट खिड़की पर बड़ी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ रही है। वहीं हाल ही में हॉरर कॉमेडी मुंज्या रिलीज हुई है और इस फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. मुंज्या का असर भी मिस्टर एंड मिसेज माही पर देखने को मिला. मिस्टर एंड मिसेज माही एक स्पोर्ट्स ड्रामा है। क्रिकेट के प्रति राजकुमार का जुनून और प्यार के खातिर मैदान में उतरीं जाह्नवी की केमिस्ट्री की दर्शकों ने तारीफ की है।महेंद्र बने राजकुमार का बचपन से क्रिकेटर बनने का सपना है, लेकिन वह किसी वजह से यह ख्वाब पूरा नहीं कर पाता है।

चंदू चैंपियन की एडवांस बुकिंग शुरू

बुर्ज खलीफा से कार्तिक आर्यन ने किया ऐलान

काफी समय से कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन का इंतजार हो रहा था. अब फिल्म कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है और उससे पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है. साजिद नाडियावाला ने फिल्म चंदू चैंपियन की एडवांस बुकिंग का ऐलान बुर्ज खलीफा से करने के लिए उसे बुक करवा लिया था. एक्टर कार्तिक आर्यन, डायरेक्टर कबीर खान और प्रोड्यूसर साजिद नाडियावाला दुबई में स्थित बुर्ज खलीफा से फिल्म के एडवांस बुकिंग का ऐलान किया है. फिल्म चंदू चैंपियन का ट्रेलर कार्तिक के होमटाउन ग्वालियर में किया गया था. मेकर्स फिल्म के हर मोमेंट को खास बनाने के लिए काफी खर्चा कर रहे हैं. अब फिल्म अपने बजट के अलावा ये सभी खर्चे निकालते हुए सुपरहिट हो जाए, ऐसी ही उम्मीद मेकर्स को है. साजिद नाडियावाला की प्रोडक्शन कंपनी नाडियावालाग्रैंडसन के इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया गया है. इसके कैप्शन में लिखा गया, बुर्ज खलीफा से फिल्म की एडवांस बुकिंग को लेकर हमारा कैंपियन ऐसा है. एडवांस बुकिंग खुल गई है, अपनी टिकट अभी बुक करो. फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को थिएटर्स में रिलीज होगी. बुर्ज खलीफा पर हर किसी का ट्रेलर या कुछ रिलीज नहीं किया जाता है. कार्तिक के अलावा बुर्ज खलीफा पर जिसकी फिल्मों का सबसे ज्यादा ट्रेलर आया वो शाहरुख खान हैं. कार्तिक आर्यन अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के लिए काफी एक्साइटेड हैं और इन दिनों इसके प्रमोशन में काफी बिजी भी हैं. कार्तिक ने अपनी इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है.

बिग बॉस ओटीटी 3 में एंट्री लेंगी नुपूर सेनन

एक्ट्रेस ने खुद बताया सच

बिग बॉस ओटीटी अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस बार अनिल कपूर शो को होस्ट करने वाले हैं. अनिल कपूर का ये शो 21 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर शुरू हो रहा है. बिग बॉस ओटीटी 3 को आप 24&7 देख सकते हैं. वहीं इस बार शो में जाने के लिए काफी सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं. ऐसी खबरें आई थीं कि कृति सेनन की बहन नुपुर रियलिटी शो में एंट्री करती नजर आएंगी. हालांकि, अब नूपुर ने खुद ही इन अफवाहों पर रिएक्ट किया है. उन्होंने कहा कि, ये महज अफवाहें है और उन्हें ये भी नहीं पता कि इस सब की शुरुआत कहां से हुई. नूपुर ने कहा कि उन्होंने कुछ आर्टिकल पढ़े हैं जिनमें कहा गया है कि उनसे पिछले सीजन के लिए भी संपर्क किया गया था और उन्होंने पहले कभी अपने बारे में ऐसी अफवाह भी नहीं सुनी थी. नूपुर से जब पूछा गया कि क्या वह रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में सोच रही हैं तो उन्होंने कहा कि, उन्हें नहीं लगता कि उनके पास इन सबके लिए समय है. इस शो में अगर चली गई तो मेरे सारे टेलर और मास्टर जी जब मुझे काम पर लंबे समय तक नहीं देखेंगे तो रोने लग जाएंगे. वहीं कृति ने भी कहा कि उनकी बहन नुपुर के रियलिटी शो में हिस्सा लेने की अफवाह उन तक भी नहीं पहुंची है. लेकिन अगर ये अफवाह हमारी बिग बॉस यानी उनकी मां गीता सेनन तक चली गई तो वो भी इसके लिए कभी हामी नहीं भरेंगी. वहीं इस शो को लेकर अनिल कपूर भी काफी एक्साइटेड है. उन्होंने अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा था कि, बिग बॉस ओटीटी और मैं एक ड्रीम टीम हैं. हम दोनों दिल से जवान हैं, लोग अक्सर कहते हैं मजाक में कि मैं रिवर्स एजिंग हूं, लेकिन बिग बॉस में ये खूबी है. ऐसा महसूस होता है जैसे स्कूल वापस जाना, कुछ नया और मजेदार ट्राई करना. मैं बिग बॉस में उसी एनर्जी को 10 गुना ज्यादा लाने जा रहा हूं. मैं इसमें अपना स्वाद लाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता.

बबॉक्स ऑफिस पर मुंज्या का खौफ बरकरार, दूसरे दिन की शानदार दोगुनी कमाई

हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत अच्छी रही थी और शरवरी वाघ और अभय वर्मा की इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. शुक्रवार को रिलीज हुई इस फिल्म की कहानी फैंस को पसंद आ रही है. इस फिल्म को रिलीज हुए दो दिन हो गए हैं. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं मुंज्या ने रिलीज के सेकंड डे दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है फिल्म मुंज्या के ट्रेलर को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था और अब मेकर्स ने इस फिल्म को लगभग 1600 स्क्रीन्स पर रिलीज किया है. हालांकि, फिल्म के लिए बज अपने पीक पर नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि फिल्म पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ के साथ आने वाले दिनों में अच्छी दर्शक संख्या हासिल कर सकती है. वहीं फिल्म की ओपनिंग काफी शानदार रही है. अब इसकी दूसरे दिन की कमाई के आंकड़े आ गए हैं. फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन को लेकर ऑफिशियल आकंड़े सामने आ गए हैं. मैडॉक फिल्म्स द्वारा शेयर की गई पोस्ट के मुताबिक मुंज्या ने रिलीज के पहले दिन 4.21 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं दूसरे दिन के कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने 7.40 करोड़ नोट छापे है. इसी के मुताबिक मुंज्या ने अब तक टोटल 11.61 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंज्या का बजट 30 करोड़ रुपए बताया जा रहा है. अगर फिल्म इसी रफ्तार से चलती रही तो अगले वीकेंड तक फिल्म अपने बजट के आसपास पहुंच जाएगी. बता दें कि यह भारत की पहली सीजीआई (कंप्यूटर जनरेटेड इमेजरी) फिल्म है. मुंज्या की

ड्यूरेशन 2 घंटे 3 मिनट है और इसे सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिला है. इस फिल्म की कास्ट बहुत बड़ी नहीं है, यही वजह है कि मेकर्स ने इसकी कहानी और अन्य चीजों पर जमकर फोकस किया है. इसीलिए दर्शकों को फिल्म काफी पसंद आ रही है. ट्रेंड और बेहतरीन वर्ड ऑफ माउथ की बदौलत फिल्म का कुल कलेक्शन 10 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया. ये देखना दिलचस्प होगा कि शरवरी वाघ की ये फिल्म रिलीज के पहले हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन करती है. साल 1952 में एक लड़के को अपने से 7 साल बड़ी लड़की मुन्नी से शादी करने से मना कर दिया जाता है. लड़के का सिर जबरदस्ती मुंडवा दिया जाता है और मुन्नी की शादी किसी और से कर दी जाती है. उस रात, लड़का अपनी बहन को साथ ले जाता है और एक पीपल के पेड़ के नीचे काला जादू करता है. वह अपनी बहन को मारने की वजह से मर जाता है, क्योंकि सिर मुंडवाने के 10 दिनों के अंदर लड़के की मौत हो जाती है, वह मुंज्या एक राक्षस में बदल जाता है, जो अपने ही परिवार के लोगों को मुन्नी को ढूंढने के लिए परेशान करता है.

कल्कि 2898 एडी के सामने आया दीपिका पादुकोण का नया लुक

छोटे-बिखरे बाल, बारिश में भीगती हुई दिखीं बेहाल..

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी साइंस-फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी लंबे सम से चर्चा में है। प्रभास स्टारर इस मूवी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अभी फैंस की ये एक्साइटमेंट खत्म भी नहीं हुई थी कि अब हाल ही में मेकर्स ने फिल्म से दीपिका पादुकोण का नया लुक सामने रिविल कर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। इस लुक में दीपिका पादुकोण छोटे और बिखरे हुए बालों में नजर आ रही हैं। दीपिका किसी खुली जगह पर बारिश में खड़ी एक टक किसी चीज को निहारती हुई दिख रही हैं।दीपिका पादुकोण का यह लुक काफी हैरानी वाला लग रहा है। बारिश में भीगते हुए दीपिका पादुकोण इस नए लुक में काफी खूबसूरत लग रही हैं। दीपिका पादुकोण के ये लुक फैंस को काफी पंसद आ रहा है। फैंस उनके इस पोस्ट पर कॉमेंट कर उके लुक की तारीफ कर फिल्म के लिए अपनी एक्साइटमेंट दिखाते हुए नजर

आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है- आशा उससे शुरु होती है। बता दें कि कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर कल यानी कि10 जून को रिलीज होगा। बता दें कि कल्कि 2898 एडी फिल्म 27 जून, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी को लेकर कहा जा रहा है कि ये कलयुग के विनाश पर बेस्ड होगी क्योंकि पुराणों के मुताबिक कलयुग में धर्म स्थापना करने के लिए कल्कि नाम का अवतार जन्म लेगा और दुनिया में फैल रहे अधर्म का विनाश करेगा।

थाई स्लिट स्कर्ट पहन हिना खान ने कराया बोल्ड फोटोशूट

कातिलाना अदाओं से इंटरनेट पर बरपाया कहर

टीवी एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस अंदाज देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस हिना खान जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। हिना खान ने इस फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर की जैकेट और थाई स्लिट स्कर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजार आ रही हैं। ओपन हेयर, हाई हील्स, कानों में इयररिंग्स और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस हिना खान ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें, एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपने रिएक्शंस देते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी यूजर्स ने जमकर अपना प्यार बरसाया है। एक यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- लुकिंग किलर बेब। तीसरे यूजर ने लिखा है- सो ग्लैमरस। हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।